दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 225 | ग्वालियर शनिवार 22 अगस्त 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

देश में पहली बार किसी दिव्यांग खिलाड़ी को मिलेगा पैरा-स्वीमर का राष्ट्रीय अवार्ड

ग्वालियर के दिव्यांग पैरा-स्वीमर सतेन्द्र सिंह को राष्ट्रपति देंगे तेनजिंग नॉरगे राष्ट्रीय अवार्ड

ग्वालियर। मैंने सतेन्द्र सिंह लोहिया से मुलाकात की। वे एक बेहतरीन पैरा-तैराक हैं। उन्होंने अब तक कई पुरस्कार जीते हैं। उनकी जीवन-यात्रा कई लोगों को प्रेरित कर सकती है। कुछ समय पहले वे कैटलीना चैनल को तैरकर पार गये।%% ग्वालियर 21 अगस्त 2020/ अंतर्राष्ट्रीय ख्याति-प्राप्त दिव्यांग तैराक श्री सतेन्द्र सिंह लोहिया को प्रतिष्ठित तेनजिंग नॉरगे राष्ट्रीय साहसिक सम्मान-2020 से सम्मानित किया जायेगा। भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद 29 अगस्त को नई दिल्ली में उन्हें यह सम्मान देंगे। प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल ने इस सम्मान के लिए चयनित होने पर श्री लोहिया को बधाई दी। ग्वालियर में पले-बढ़े श्री लोहिया भिण्ड जिले के ग्राम गाता के मूलनिवासी हैं। श्री सतेन्द्र सिंह यह अवार्ड पाने वाले देश के पहले दिव्यांग खिलाड़ी होंगे। वे अमेरिका में 42 किलोमीटर की केटलीना चैनल सिर्फ 11ः34 घंटे में तैरकर पार करने वाले पहले एशियाई दिव्यांग तैराक बने थे। चैनल में पानी का तापमान लगभग 12 डिग्री होने के साथ ही शार्क मछलियों के हमले का खतरा भी बना रहता है। दिन में तेज चलने वाली हवाओं से बचने के लिये श्री लोहिया ने यह चैनल रात में पार किया, जो एक बड़ी चुनौती थी। दिव्यांग तैराक श्री लोहिया के पिता श्री गयाराम लोहिया वर्तमान में ग्वालियर के मुथूट फायनेंस में सिक्यूरिटी गार्ड हैं। श्री लोहिया इंदौर में

वाणिज्यिक कर विभाग में कार्यरत हैं। वे कहते हैं मैंने अपनी दिक्कतों को ही अपनी ताकत बना लिया है। उनका कहना है दिव्यांगों को सहानुभूति की नहीं, सहयोग और सम्मान की जरूरत होती है। विश्व दिव्यांग दिवस पर उप राष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू द्वारा सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ी नेशनल अवार्ड से सम्मानित पैरा-स्वीमर श्री सतेन्द्र सिंह को मध्यप्रदेश के सर्वोच्च खेल अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। श्री सतेन्द्र सिंह लोहिया ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में ओलम्पिक स्वीमिंग एनएसडब्ल्यू-2017 स्टेट ओपन चैम्पियनशिप में भारत के लिये स्वर्ण-पदक जीता। उन्होंने मई-2017 में ओपन वाटर सी-स्वीमिंग फीट ऑफ 33 किलोमीटर को पार किया। श्री लोहिया ने 24 जून, 2018 को इंग्लिश चैनल स्वीमिंग में पैरा-स्वीमिंग रिले टीम के माध्यम से कीर्तिमान स्थापित किया और 18 अगस्त, 2019 को कैटलीना इंग्लिश चैनल पार कर इतिहास रचा।

क्रिकेटर रोहित सहित पांच खिलाडियों को राजीव गांधी खेल रत्न

नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च खेल अलंकरण राजीव गांधी खेल रत्न से इस वर्ष पांच खिलाडियों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें क्रिकेटर रोहित शर्मा, पैरा एथलीट थंगावेलु, पहलवान विनेश फोगाट, टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और हॉकी खिलाड़ी रानी रामपाल शामिल हैं। इसके अलावा 27 खिलाडियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। खेल मंत्रालय ने शुक्रवार को खेल अवार्ड की घोषणा की। क्रिकेटर रोहित से पहले सचिन तेंदुलकर, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली को यह अवॉर्ड मिल चुका है। तेंडुलकर पहले भारतीय क्रिकेटर थे, जिन्हें 1998 में खेल रत्न दिया गया था। धोनी को 2007 और कोहली को 2018 में खेल रत्न से सम्मानित हुए थे। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार का आयोजन हर साल 29 अगस्त राष्ट्रीय खेल दिवस पर किया जाता है। राष्ट्रपति भवन में सम्मान समारोह में ये पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। अवार्ड के लिए खेल मंत्रालय ने 12 सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इसकी अगुआई सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस मुकुंदकम शर्मा ने की। कमेटी के सदस्य पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग, पूर्व हॉकी खिलाड़ी सरदार सिंह, पैरालिंपिक रजत पदक विजेता दीपा मलिक, पूर्व टेबल-टेनिस खिलाड़ी मोनालिसा बरुआ मेहता, बॉक्सर वेंकटेशन देवराजन के अलावा पत्रकार आलोक सिन्हा और नीरू भाटिया थे। देश में जारी कोविड-19 महामारी के संक्रमण को देखते हुए यह सम्मान समारोह पहली बार वर्चुअल होगा। खिलाड़ी अपने यहां के साई सेंटर में एकत्रित हो सकेंगे।

दुतीचंद सहित 27 खिलाडियों को अर्जुन अवॉर्डः दुती चंद (एथलेटिक्स), अतनु दास (आर्चरी), सात्विक साईराज (बैडमिंटन), चिराग शेट्टी (बैडमिंटन), विशेष (बास्केटबॉल), सूबेदार मानिक कौशिक (बॉक्सिंग), लवलीना (बॉक्सिंग), इशांत शर्मा (क्रिकेट), दीप्ति शर्मा (महिला क्रिकेट), सावंत अजय (इक्वेस्ट्रियन), संदेश झिंगन (फुटबॉल), अदिति अशोक (गोल्फ), आकाशदीप सिंह (हॉकी), दीपिका (हॉकी), दीपक (कबड्डी), सारिका सुधाकर (खो-खो), दत्तू बबन (रोइंग), मनु भाकर (शूटिंग), सौरभ चौधरी (शूटिंग), मधुरिका सुहास (टेबल टेनिस), दिविज सरन (टेनिस), शिवा केशवन (विंटर स्पोर्ट्स), दिव्या काकरन (रेसलिंग), राहुल अवारे (रेसलिंग), सुयश नारायण जाधव (पैरा स्वीमिंग), संदीप (पैरा एथलेटिक्स) और मनीष नरवाल (पैरा शूटिंग)।

द्रोणाचार्य अवॉर्डः धर्मेंद्र तिवारी (आर्चरी), पुरुषोत्तम राय (एथलेटिक्स), शिव सिंह (बॉक्सिंग), कृष्ण कुमार हुड्डा (कबड्डी), रमेश पठानिया (हॉकी), नरेश कुमार (टेनिस), विजय भालचंद्र मुनिश्वर (पैरा पॉवर लिफ्टिंग) और ओमप्रकाश दाहिया (रेसलिंग)।

तेलंगाना के श्रीसैलम पनबिजली प्लांट में आग से प्लांट के अंदर फंसे नौ लोगों की मौत

शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी आग

हैदराबाद। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की सीमा पर जमीन के अंदर बने श्रीसैलम पनबिजली प्लांट में आग लगने से प्लांट के अंदर फंसे नौ लोगों की मौत हो गई है। बताया गया कि ये लोग लेफ्ट बैंक पावर हाउस में फंस गए थे। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से घना धुआं निकल रहा था, इस वजह से बचावकर्मी अंदर नहीं जा पाए और लोगों की अंदर ही मौत हो गई। हादसे में लोगों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने दुख जताया है। प्लांट में मौत के बाद जिन दो लोगों के शव बरामद किए गए हैं, वे सहायक इंजिनियर हैं। नगर कुर्नूल के जिलाधिकारी एल शरमन ने बताया कि सहायक इंजिनियर सुंदर नायक का शव बरामद किया गया है। पुलिस ने एक अन्य शव की पहचान सहायक इंजिनियर मोहन कुमार के रूप में की है। जिलाधिकारी ने बताया कि केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवान भी राहत अभियान में शामिल हुए हैं और दमकल की पांच गाड़ियां अभियान में लगी हुई हैं। उन्होंने बताया कि सुरंग से धुआं निकल रहा है और धुएं को हटाने के प्रयास किए जा रहे है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि छह लोगों को सांस लेने में दिक्कत के बाद स्थानीय

अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एल शरमन ने कहा था कि अंदर फंसे लोगों के पास मोबाइल फोन नहीं थे, इसलिए हम उनसे संपर्क नहीं कर सके और वहां मोबाइल नेटवर्क भी नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक सूचना के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी। तेलंगाना स्टेट पॉवर जेनरेशन कॉरपोरेशन (जेनको) के मुख्य अभियंता बी सुरेश के मुताबिक जब हादसा हुआ उस वक्त संयंत्र में कम से कम 25 लोग थे, जिनमें से 15-16 बाहर आने में कामयाब रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा है कि %श्रीसैलम प्लांट में लगी आग बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरी संवेदना पीड़ित परिवारों के साथ है। मुझे उम्मीद है कि घायल जल्द ही ठीक हो जाएंगे। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी दुख जताते हुए कहा कि हादसे में लोगों की मौत से बहुत दुख

बिहार चुनावः चुनाव आयोग ने जारी की गाइडलाईन

नहीं दिखेंगी वोटर्स की कतारें मतदाताओं को मिलेंगे मास्क-दस्ताने

नई दिल्ली। कोरोना काल में जहां चुनाव कराना आयोग के लिए एक चुनौती है। वहीं वोटर्स के लिए भी इस बार मतदान करना एक बड़ी चुनौती होगी। अगले कुछ महीनों में होने जा रहे बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान आयोग की गाइडलाइन्स के मुताबिक, लंबी-लंबी कतारें नहीं लगेंगी। वहीं वोटर्स को वोट डालने के लिए मास्क और दस्तानें दिए जाएंगे। चुनाव आयोग ने हर मतदान केंद्र पर सुविधाओं के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। जानें इनके बारे में....

1) मतदान से एक दिन पहले वोटिंग सेंटरों पर सेनेटाइजेशन किया जाएगा।

2) हर मतदान केंद्र के प्रवेश द्वारा पर थर्मल स्कैनर होंगे। 3) मतदान स्थान मतदान केंद्र के एंट्री प्वाइंट पर पर या तो मतदान कर्मचारी या पैरा मेडिकल स्टाफ या आशा कार्यकर्ता के वोटर्स की थर्मल स्कैनिंग करेंगे।

4) यदि किसी वोटर का तापतान केन्द्र स्वास्थ्य मंत्रालय के नियमों अनुसार ज्यादा आया तो ऐसी स्थिति में उसकी दो बार जांच की जाएगी। अगर उस वोटर का तापमान कम नहीं आता है तो उसे एक टोकन या सर्टिफिकेट दिया जाएगा जिससे वह वोटर मतदान के आखिरी घंटे में मतदान करने के लिए आ सकता है। ऐसे सभी वोटर्स को मतदान के आखिरी घंटे में मतदान करना होगा और उस दौरान कोविड-19 से संबंधित सभी नियमों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।

राज्यसभा की खाली सीट पर 11 सितम्बर को उपचुनाव

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के पूर्व नेता अमर सिंह के निधन के बाद खाली हुई राज्यसभा की सीट पर 11 सितम्बर को उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को यह घोषणा की। अमर सिंह का किडनी संबंधी बीमारी के कारण सिंगापुर के एक अस्पताल में एक अगस्त को निधन हो गया था। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सदस्य के तौर पर उनका कार्यकाल जुलाई 2022 तक था। आयोग ने एक बयान में कहा कि उपचुनाव के लिए 25 अगस्त को अधिसूचना जारी की जाएगी और मतदान 11 सितम्बर को होगा। स्थापित अभ्यास के अनुसार 11 सितम्बर को मतदान के बाद शाम को ही मतगणना की जाएगी।

पठानकोट जा रहा था सेना का ट्रक खाई में गिरा, 3 जवान घायल

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के पधर उपमंडल के तहत आने वाले उरला गांव के पास सेना का एक ट्रक दो सौ मीटर गहरी खाई में गिर गया, हादसे में तीन जवान घायल हो गए। डोगरा रेजिमेंट के घायल जवानों को सिविल हास्पिटल पधर में प्राथमिक उपचार देने के बाद सेना हास्पिटल पालमपुर रैफर कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक सेना के चार ट्रक आज सुबह पंडोह स्थित ट्रांजिट कैंप से पठानकोट के लिए रवाना हुए थे। मंडी पठानकोट नेशनल हाईवे पर उरला गांव के पास एक संकरी जगह पर दूसरी तरफ से आ रही कार को पास देते समय सेना का ट्रक सड़क से नीचे लुढ़क गया। हादसा के दौरान ट्रक में सेना के तीन जवान सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने सभी घायल सैनिकों को तुरंत सिविल हास्पिटल पधर पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद इन्हें सेना हास्पिटल पालमपुर के लिए रैफर कर दिया गया है।

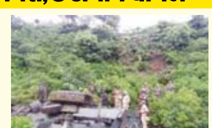

नई दिल्ली में गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान श्री गणेश की मूर्ति को अंतिम रूप देता एक मूर्तिकार

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

मप्र 50 हजार कोरोना संक्रमितों वाला 15वां राज्य बना

रिकवरी रेट में 10वें नंबर पर

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद कोरोना वायरस की रफ्तार पर लगाम नहीं लग पा रही है। 24 घंटे में 1293 नए संक्रमित मरीज मिले हैं। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव भी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। मंत्री ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने अपने संपर्क में आए लोंगो को जांच कराने को कहा है। साथ ही वे डॉक्टरों की सलाह पर अस्पताल में भर्ती हुए हैं। साढ़े चार महीने में एक दिन में मिले संक्रमितों की सबसे ज्यादा संख्या है। इस दौरान 12

लोगों ने संक्रमण से दम तोड़ दिया। शुक्रवार को राजधानी भोपाल में 151 नए केस सामने आए, वहीं 24 घंटे में यहां पर 4 लोगों की संक्रमण से मौत हो गई। मध्य प्रदेश में संक्रमितों का आंकड़ा अब 50 हजार के पार पहुंच गया है। अब 50640 संक्रमित हो गए हैं। इसके साथ ही मध्य प्रदेश भी उन 15 राज्यों के क्लब में शामिल हो गया जिनके यहां पर कोरोना संक्रमितों की संख्या 50 हजार हो चुकी है। राहत वाली बात ये है कि राज्य रिकवरी रेट में देश में 10वें नंबर पर है।

लोक गायिका पद्म भूषण शारदा सिन्हा कोरोना पॉजिटिव

लोक गायिका पद्म भूषण शारदा सिन्हा कोरोना संक्रमित पाई गई हैं। फेसबुक पर लाइव आकर उन्होंने खुद इस बात की जानकारी दी। उन्होने कहा कि आप सबों को ये जानकर दुख होगा कि मैं कोरोना महामारी की चपेट में आ गई हूं। जबकि मेरा कोई कॉन्टैक्ट बाहरी लोगों से नहीं हुआ। ऐसा लगता है कि कोरोना खुद घर चलकर आ गया है। इतने एहतियात बरतने के बाद भी कोरोना ने दस्तक दे दी। पद्म भूषण शारदा सिन्हा ने कहा कि मैं तो बस यहीं कहूंगी कि आप सभी अपना खयाल रखें और हर समय अपने हाथ को धोएं, ताकि आप इन चिजों से बचे रहें।

स्मार्ट सिटी के कंट्रोल कमांड सेंटर में पत्रकारो से हुई अनौपचारिक चर्चा

जल्द ही ग्वालियर चंबल संभाग को मिल सकेगी डिजीटल म्यूजियम की सौगातः सीईओ जयति सिंह

ग्वालियर। स्मार्ट सिटी के द्वारा विकसित किये जा रहे डिजीटल म्यूजियम और प्लेनेटोरियम का काम अंतिम चरण में है और जल्द ही इसके पूर्ण होने पर एक बडी सौगात ग्वालियर शहर को मिल सकेगी। यह बात स्मार्ट सिटी के कंट्रोल कमांड सेंटर में पत्रकारो से हुई अनौपचारिक चर्चा के दौरान ग्वालियर स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती जयति सिंह ने कही। आज पत्रकारो से इस अनौपचारिक चर्चा का उद्देश्य डिजीटल म्यूजियम के बारे में जानकारी साझा कर महत्वपूर्ण सुझाव लेना था। ग्वालियर स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती जयति सिंह नें जानकारी देते हुये बताया कि ग्वालियर स्मार्ट सिटी द्वारा बनाया जा रहा संग्रहालय और तारामंडल परियोजना में संग्रहालय का कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही इस ग्वालियर की जनता को समर्पित कर दिया जायेगा। श्रीमती सिंह ने बताया कि इस डिजीटल संग्रहालय में संगीत, चित्र कला, शिल्पकला, पारम्परिक परिधान आदि के विषय विशेषज्ञों बुद्धिजीवी, पत्रकार इतिहासकार सहीत समाज के विभिन्न वर्गो से राय और सुझाव लिये जा रहे है। ताकि शहर में बनने वाले डिजीटल म्यूजियम को भव्यता

प्रदान की जा सके। श्रीमती सिंह नें जानकारी देते हुये बताया कि इस संग्रहालय में ग्वालियर की स्थापत्य शैली, वस्तु, परिधान, जीवनशैली, वाद्य यंत्र, आभूषण, हस्तशिल्प, सांस्कृतिक परंपरा, चित्रकारी सहीत कई विधाओ को आधुनिक तरिके से डिजिटली प्रदर्शित किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि ग्वालियर संभाग की स्थानीय चितौरा कला, मधुमती कला तथा मृणुशिल्प जैसी कलाओं को प्रमुख रूप से इस संग्रहालय में प्रदर्शित किया जायेगा। ताकि लुप्त हो रही इन कलाओ को पुर्नजीवित किया जा सके। यहां पर आकर पर्यटक 16 गैलरियों में सजे ग्वालियर के इतिहास, यंत्र, आभूषण, हस्तशिल्प और अन्य बातो को अत्याधुनिक आईटी उपकरणो का प्रयोग करके देख सकेंगे। इस संग्रहालय में वर्चुअल रियलटी का समावेश भी किया जायेगा जिसके द्वारा सैलानी इतिहास की किसी स्थल की वास्तविकता को महसूस कर सकेगे। श्रीमती सिंह नें चर्चा के दौरान जानकारी देते हुये बताया कि ग्वालियर की ऐसी प्राचीन कला, संगीत, शिल्प इत्यादी जो कि अब लुप्त हो चुकी या लुप्त होने की कगार पर है उनके बारे में विषय विशेषज्ञयो की सहायता से पूरी जानकारी जुटाई जा रही है ताकि उन्हे इस संग्रहालय में शामिल किया जा सके। श्रीमती सिंह नें सभी से अपील की वह अपने क्षेत्र के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी दे ताकि ग्वालियर और ग्वालियर के आसपास की कला-संस्कृति को इस संग्रहालय में शामिल करने के साथ साथ स्थानीय कलाकारों को भी ज्यादा से ज्यादा इस परियोजना से जोडा जा सके। ताकि स्थानीय कला और कलाकारो को एक पहचान मिल सके और अन्य लोग उनके बारे में जान सके। श्रीमती सिंह नें जानकारी देते हुये बताया कि विभिन्न प्रमोशन और प्रतियोगिताओ के द्वारा भी स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन द्वारो स्थानीय कलाकारों को मौका दिया जा रहा है ताकि वह इस संग्रहालय में अपनी अपनी भागीदारी दे सके। गौलतलब है कि इस भवन के पीछे के भाग में एक तारामंडल भी विकसित किया जा रहा है। इस केंद्र को ग्वालियर के पर्यटन मानचित्र में एक अहम बिंदु के रूप में माना जा रहा है। ग्वालियर व बुंदेलखंड संभाग में यह अपनी तरह का पहला केंद्र होगा तथा स्कूल के छात्रों को शिक्षित करने भी भूमिका निभाएगा। डिजीटल संग्रहालय और प्लेनेटोरियम प्रोजेक्ट की लागत लगभग 7 करोड रुपये है और इसे 3500 वर्गफीट एरिया में तैयार किया जा रहा है। ीमती सिंह ने स्मार्ट सिटी की अन्य परियोजनाओ की जानकारी देते हुये बताया कि ग्वालियर स्मार्ट सिटी द्वारा कई महत्वपूर्ण परियोजनाये जिनमें डिजीटल सेंट्रल लाईब्रेरी, स्मार्ट वॉश रुम कैफे, प्लेग्राउंड, वेस्ट टू आर्ट, सेल्फी पॉइंट सहीत ऐसी कई परियोजनाये अपने अंतिम चरण में है जिनके पूर्ण होने पर शहर में जल्द ही परिवर्तन देखने को मिलेगा। वही उन्होने शहर के सभी वर्गो से अपील करते हुये कहाँ कि विकास के लिये प्रशासनिक व्यवस्था का दायित्व जितना महत्वपूर्ण है उतना ही समाज के हर वर्ग का भी योगदान रहता है दोनो के संयुक्त प्रयास और समन्वयन से ही विकास संभव हो पाता है। स्मार्ट सिटी का पूरा प्रयास रहेगा कि विकास के लिये सभी विभागो के साथ बेहतर तालमेल बनाकर समन्वय के साथ कार्य किया जाये।

क्राईम ब्रान्च ग्वालियर द्वारा फरारी ईनामी बदमाशों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान

क्राईम ब्रांच ने पंकज सिकरबार हत्याकाण्ड के 10 हजार के फरारी ईनामी बदमाश रमन चौहान को किया गिरफ्तार

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे द्वारा जिले के थाना प्रभारियों को फरारी ईनामी बदमाशोंकी धरपकड़ हेतु अभियान चलाने के दिये गये निर्देशों के परिपालन में अति0पुलिस अधीक्षक ग्वालियर शहर पश्चिम/अपराध श्री सत्येन्द्र सिंह तोमर द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को फरारी बदमाशों की धरपकड़ हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के लिये निर्देशित किया गया था।

डीएसपी अपराध श्री रत्नेश तोमर के मार्गदर्शन मे की जा रही कार्यवाही के दौरान दिनांक 21.08.20 को प्रभारी क्राइम ब्रांच श्री बिनोद शर्मा के निर्देशन मे उप निरीक्षक मनोज परमार को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना हजीरा ग्वालियर के अप0 292/19 धारा 302,

307, 341, 147, 148, 149, 120बी भादवि मे फरारी ईनामी बदमाश रमन चौहान पुत्र राजेन्द्र सिंह चौहान नि0 श्री कृष्णा नगर गदाईपुरा चार शहर का नाका हजीरा जिला ग्वालियर को बस स्टेण्ड ग्वालियर से गिरफ्तार किया है। उक्त ईनामी बदमाश बस स्टेण्ड ग्वालियर से कही बाहर भागने की फिराक में था। उक्त बदमाश थाना हजीरा के पंकज सिकरबार हत्याकाण्ड मे आरोपी था। जिसकी पुलिस को एक वर्ष से तलाश थी, उक्त आरोपी ने हत्या के उपरांत गुजरात (अहमदाबाद), दिल्ली, श्योपुर में फरारी काटी थी। जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा 10 हजार रूपये का ईनाम भी घोषित किया गया था।

सराहनीय भूमिका - उक्त बदमाश को गिरफ्तार करने मे थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच उनि विनोद शर्मा, उनि मनोज परमार, प्र0आर0 दिनेश तोमर, प्र0आर0 राजीव सोलंकी, आर0 विकास तोमर, आर0 भगवती सोलंकी, आर0 नरवीर राणा, आर0 रामवीर सिंह, आर0 महेन्द्र सिंह सिकरबार, आर0 योगेन्द्र सिंह तोमर की सराहनीय भूमिका रही है।

बड़ौनी पुलिस के हत्थे फिर चढ़ा एक अपराधी एक अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

संदीप प्रधान

बड़ौनी थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौर के द्वारा चलाए जा रहे अभियान आरोपियों की रोकथाम के लिए की जा रही धड़पकड़ पालन में अति पुलिस अधीक्षक आर डी प्रजापति एवं एसडीओपी बड़ौनी डी एस तोमर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बड़ौनी रमेश शर्मा के नेतृत्व में थाना स्टाफ बड़ौनी द्वारा दिनांक 21/08/20 को दौराने इलाका

भ्रमण मुखबिर की सूचना पर बड़ौनी तिराहे पर संदिग्ध व्यक्ति घेराबंदी कर पकड़ कर तस्दीक व तलाशी उपरांत उक्त संदेही व्यक्तित्व विक्की उर्फ रोहित पुत्र कैलाश सेन उम्र 26 वर्ष एक अवैध कट्टा व एक 315 बोर का जिंदा कारतूस जप्त कर आरोपी विक्की उर्फ रोहित को गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध धारा 25(1ग) एक्ट के तहत कार्यवाही की गई आरोपी के विरुद्ध थाना सिविल लाइन व थाना कोतवाली दतिया में पूर्व से 03 अपराधिक रिकॉर्ड 02 मारपीट व एक अमर्ष सेक्ट का केस दर्ज है उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी बड़ौनी रविंद्र शर्मा दिलीप प्रधान राजेश कुमार व अन्य थाना स्टॉप की मुख्य भूमिका रही

जगनेर कस्बे में आमने-सामने बाइक में भिड़ंत में एक बाइक चालक की हुई मौत

थाना जगनेर सरेन्धी से मवासी राम पुत्र जगराम उम्र 25 साल निवासी नगला पलटू सरेन्धी से अपने गांव नगला पलटू जा रहे थे तभी सरेन्धी चोराहे के पास एनएच 123 भरतपुर धौलपुर मार्ग पुल के समीप सामने से आ रही बाइक नहीं टक्कर मार दी टक्कर इतनी भयंकर थी कि बाइक सवार मवासीराम पुत्र जगराम गंभीर रूप से घायल हो गया घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई पुलिस द्वारा घायल बाइक सवार को इलाज के लिए सामुदायिक केंद्र जगनेर भेजा गया लेकिन घायल की गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने घायल को आगरा रेफर कर दिया गया लेकिन घायल बाइक सवार ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया मौत की खबर सुनकर परिवार में कोहराम मच गया

चित्रान्श इंटरनेशनल वेलफेयर ऑर्गनाजेशन ने नम्रता सक्सेना को किया सम्मानित।

चित्रान्श इंटरनेशनल वेलफेयर ऑर्गनाजेशन द्वारा कोरोना योद्धा कोविड-19 श्वान वाइस ऑफ़ स्ट्रीट ड़ॉग्स फाऊंडेशन की अध्यक्ष नम्रता सक्सेना का सम्मान किया गया, नम्रता जी शहर के बीमार एवं भूखे डॉग्स को घर पर रखकर इलाज अपने खुद के खर्च पर करवाती हैं, जो उनके खुद के तीन मंजिल मकान पर दो मंजिलों पर डॉग्स को रखे हुए हैं, 18 डॉग अभी भी उनके घर ओआर ही हैं उनका सभी खर्च उनका हलह्र करता है। नम्रता जी का सम्मान जीडीए के पूर्व अध्यक्ष अभय चौधरी जी, एवं चित्रान्श इंटरनेशनल वेलफेयर ऑर्गनाजेशन ले अध्यक्ष नूतन श्रीवास्तव ने किया, इस अवसर पर अल्का सक्सेना, तृप्ति भटनागर, नीरज श्रीवास्तव,स्वेता सक्सेना, सैफाली सक्सेना, अमन श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, पडित घनश्याम शास्त्री जी, मुकेश कुलश्रेष्ठ,शुभम श्रीवास्तव, अंकुर श्रीवास्तव आदि संस्था ले लोग भी मौजूद थे।

तीन दिन बदली रहेगी शहर की यातायात व्यवस्था

यातायात व्यवस्था व पार्किंग व्यवस्था निम्नानुसार

ग्वालियर। दिनांक 21.08.2020। दिनांक 22/23/24.08.2020 को भारतीय जनता पार्टीद्वारा ग्वालियर जिले में सदस्यता ग्रहण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान ग्वालियर शहर की यातायात व्यवस्था व पार्किंग व्यवस्था निम्नानुसार रहेगी। माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेष शासन का भ्रमण कार्यक्रम का मार्ग हवाई अड्डा, डीडी नगर, पानी की टंकी, जडेरूआ गॉव, पिन्टू पार्क, बिर्ग्रेडियर तिराहा, 07 नं चौराहा, बिग्रेडियर तिराहा, दूध डेयरी तिराहा, इन्द्रमणि नगर, सूर्य नमस्कार तिराहा, महाराजा गेट, एलएनआईपीई, सूर्य नमस्कार तिराहा, आकाषवाणी तिराहा, मानसिंह प्रतिमा, स्प्रिंगतराहा, मोतीमहल गेट, हाथी गेट, लाल-बाल-पाल चौराहा, फूलबाग कार्यक्रम, स्प्र, तानसेन होटल, राजामाता, माधवनगर, विवेकानंद प्रतिमा, नाका चन्द्रबदनी, विक्की फैक्ट्री चौराहा, वीनस वेक्रेट गार्डन रहेगा।नागरिकों से निवेदन है कि उक्त मार्ग पर जाने से बचें- 1.पानी की टंकी से गोला का मंदिर, सिमको मार्ग चालू रहेगा। 2.रोडवेज रेल्वे स्टेषन, पडाव पुराना पुल, फूलबाग गुरूद्वारा, नदी गेट मार्ग चालू रहेगा।पार्किंग व्यवस्था 1.फूलबाग कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले आगन्तुक अपने वाहन लक्ष्मीबाई स्टैच्यू पार्किंग, मानस भवन, प्रेस क्लब, चिड़िया घर पार्किंग में वाहन पार्क कर सकेगें। 2.एलएनआईपी कार्यक्रम में आने वाले आगन्तुक अपने वाहन गेट क्रमांक 01 के पास अन्दर पार्किंग कर सकेगें। 3.मेला ग्राउण्ड कार्यक्रम में आने वाले आगन्तुक अपने वाहन कुसुमाकर रंगमंच व सेन्टर के पीछे मेला ग्राउण्ड के अन्दर पार्क कर सकेगें। 4.वीनस गार्डन मे आने वाले आगन्तुक अपने वाहन पास में गली से लगे हुये मैदान में पार्क कर सकेगें।

उमाशंकर चाहर ने खेरागढ़ ए डी ओ पंचायत का संभाला अतिरिक्त प्रभार

रिपोर्टर खेरागढ़-राजकुमार राजपूत

खेरागढ़। विकासखंड के ग्राम पंचायत अधिकारी उमाशंकर चाहर ने ब्लाक परिसर आकर एडीओ पंचायत का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण कर लिया है।

उन्होंने यहां तीसरी बार ए डी ओ पंचायत का अतिरिक्त कार्यभार का चार्ज संभाला है। यहां तैनात रहे एडीओ पंचायत धनराज सिंह को सीड़ीओ आफिस से अटैच किया गया है उमाशंकर चाहर ने एडीओ पंचायत का अतिरिक्त कार्यभार संभालते हुए बताया कि सबसे पहले सामुदायिक शौचालय,विद्यालयो में कायाकल्प ,पंचायत घरो का जीर्णोद्धार आदि विकास कार्यो को प्राथमिकता दी जायेगी ।

अंतर्राष्ट्रीय मानवता दिवस पर डॉ. संजय पाण्डेय कोरोना संकट में समाज सेवा के लिये सम्मानित

ग्वालियर 20 अगस्त। राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य वाक्य ही '' समाज सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास'' है जिसके लिये समाज सेवा सर्वोपरि है। अंतर्राष्ट्रीय मानवता वादी दिवस होने के कारण समाज में उत्कृष्ठ कार्य करने के लिये सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन ग्वालियर आनंदम विभाग द्वारा कोरोना की संकट घड़ी में समाज के लिये एक पहचान बन चुके आमजन को सम्मानित करने के लिये कलेक्ट्रेट में ए.डी.एम. आशीष तिवारी आई.ए.एस., संयुक्त कलेक्टर खेमरिया, जिला ग्वालियर आनंदम विभाग के ए.के. शर्मा व पवन दीक्षित के उपस्थिति में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. संजय कुमार पाण्डेय वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय ग्वालियर को प्रशस्ति पत्र

देकर कोविड 19 के समय संघर्षपूर्ण कार्य के लिये सम्मानित किया गया। कोविड 19 के समय जिन लोगो ने दूसरे लोगो की मदद की व उनके नहीं थे परन्तु संकट के समय उनको जो मदद प्राप्त हुई उसको वो कभी भूल नहीं सकते और संकट करने वाले को अपना मानते है इसलिये आनंदम विभाग ने डॉ. संजय कुमार पाण्डेय प्रो. वाणिज्य व कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय को सम्मानित किया गया। कोविड 19 के समय मार्च से 04 जून तक लगातार पलायन कर रहे मजदूरो व आस-पास रह रहे मजदूर वर्गो को निरंतर भोजन कराना व आवश्यक सामग्रीयों का वितरण करने का कार्य डॉ. पाण्डेय ने किया। डॉ. पाण्डेय कोरोना निगरानी समिति में जागरूकता का कार्य प्रशासन के साथ निरंतर कर रहे है। डॉ. पाण्डेय की इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. मनोज चतुर्वेदी, डॉ. संजय रस्तोगी, डॉ. सुभाष जैन, प्रो. कुसुमलता चौहान, डॉ. शिवकुमार शर्मा, डॉ. मनोज अवस्थी, डॉ. नीलेन्द्र सिंह तोमर, डॉ. राजेश मिश्रा, डॉ. संतोष शर्मा, डॉ. प्रशांत साहू, डॉ. विजय पाण्डेय, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. कौशलेन्द्र अवस्थी ने बधाई व शुभकामनाए दी।

प्राचीन मंदिर चन्नी पराट सुंदरबनी में भक्तों द्वारा किया गया पौधारोपण

सुन्दरबनी। जिला राजौरी उपजिला सुंदरबनी के चन्नी पराट पंचायत में 16 सो ईसवी से भी प्राचीनतम मंदिर मे स्थानीय लोगों और भक्तों द्वारा पौधारोपण किया गया । जिसमें स्थानीय निवासियों ने विश्व भर में चल रही क्रोना महामारी के भारत और विश्व से समाप्त हो इसी उपलक्ष पर पूजा अर्चना भी की गई ओर प्राथना की कि समूचा विश्व और भारत करोना महामारी से जल्द से जल्द जंग जीत सके और भारत पुणः एक नई उम्मीद और उमंग के साथ अपने आप को स्थापित कर सकें । नाइब सरपंच चन्नी

ने कहा कि मास्टर तिलक राज की अध्यक्षता में पौधे लगाने का कार्य शुरू किया गया भक्तो द्वारा मंदिर के आसपास पौधे लगाने का काम किया गया और बहुत से पौधे लगाए गए और इसी प्राचीन मंदिर मैं बहुत सारे स्थानीय लोगों की आस्था जुड़ी हुई है इस मौके पर स्थानीय लोगों और मास्टर तिलक राज जी ने राम भगवान से प्रार्थना की कि इस कोविड-19 के चलते राम भगवान सब को स्वस्थ और सुरक्षित रखें चन्नी प्राट पंचायत के अंतर्गत आने वाले इस राम मंदिर का इतिहास लगभग 16ईसवी से भी पूर्व हैं।इस प्राचीन मंदिर के साथ हनुमान जी ओर शिवशंकर की मूर्ति स्थाहपना भी की गई है प्राचीन मंदिर में भक्तों द्वारा रामायण पाठ और भजन-कीर्तन भी किया जाता है राम मंदिर में यह बहुत बड़ी आस्था है और इतिहासकारों द्वारा बताया जाता हैं।

पिछड़ी जनजातियों की पोषण सुरक्षा के लिए राज्य शासन प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री चौहान

आहार अनुदान योजना के अंतर्गत भुगतान की नई व्यवस्था का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बैगा, भारिया और सहरिया जैसी दूरस्थ अंचलों में रहने वाली विशेष पिछड़ी जनजातियों की महिलाओं और बच्चों के उचित पोषण के लिये दी जाने वाली राशि का भुगतान समय पर किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज मंत्रालय से आहार अनुदान योजना के तहत 2 लाख 19 हजार महिलाओं के खाते में सिंगल क्लिक से 21 करोड़ 97 लाख 80 हजार रूपए अंतरित कर भुगतान की नई व्यवस्था का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रतिमाह समय पर राशि का वितरण सुनिश्चित करने के लिए पोर्टल तैयार किया गया है। इससे आगामी माहों के प्रारंभ में ही राशि हितग्राही के खाते में पहुंच जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बैगा, भारिया, सहरिया जैसी पिछड़ी जनजातियों की पोषण सुरक्षा के लिए राज्य शासन प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आहार अनुदान योजना 2017 में आरंभ की गई थी, परंतु पिछले लगभग एक साल में हितग्राहियों को राशि नहीं मिल पाई। यह रूकी

राशि 43 करोड़ रूपए आगामी सप्ताह में हितग्राहियों के खाते में पहुंच जाएंगी। पिछले ढाई वर्ष में 2 लाख 19 हजार से अधिक बहनों के खातों में 660 करोड़ रूपए पहुंचाए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि प्रदेश की विशिष्ट पिछड़ी जनजातियों बैगा, भारिया और सहरिया के परिवारों को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए आहार अनुदान योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत परिवार की महिला मुखिया के खाते में प्रतिमाह एक हजार रूपये की राशि भिजवाई जाती है। योजना में प्रदेश के 2 लाख से अधिक जनजाति परिवारों को लाभ मिल रहा है मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आदिवासी महिलाओं से वी.सी. के माध्यम से बातचीत के दौरान कहा कि मुझे आज भी बैगाचक की भाजी का स्वाद याद आता है। जब मैं वहां गया था तो मैंने एक बैगा बहन के हाथ की भाजी खाई थी। बैगाओं की संवदेनशीलता अद्भुत है, वे इसलिए हल नहीं चलाते कि पृथ्वी माँ के सीने में घाव नहीं हो जाए। भारिया जनजाति के साफ-स्वच्छ घर उन्हें आकर्षित करते हैं। सहरिया जनजाति शेर के साथ रहने वाली अत्यंत बहादुर जनजाति है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आदिवासी बहनें अपने बच्चों को खूब पढ़ाएं। पढ़ाई की पूरी व्यवस्था उनका मामा करेगा। इसके साथ ही उनके रोटी, कपड़ा, मकान आदि की व्यवस्था भी सरकार कर रही है। मानपुर-मुरैना की आदिवासी बहन बैकुण्ठी से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने जब पूछा कि मैं जब तुम्हारे घर आऊंगा तो रोटी खिलाओगी, तब उसकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहा। वह बोली भैया जल्दी आना मैं खाना तैयार रखूंगी। शिवपुरी की रामकली देवी ने राशि मिलने के लिए मुख्यमंत्री के साथ मंत्री श्रीमती मीना सिंह से कहा %मंत्री मैडम धन्यवाद%। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि विशेष पिछड़ी जाति की जो बहनें योजना में छूट गईं हैं उनके नाम तुरंत जोड़ें। इसके साथ ही जिनके पास आवास नहीं है, उस संबंध में भी कार्रवाई की जाए। अशोकनगर की पौनाबाई से जब मुख्यमंत्री ने पूछा कि उन्हें किसी बात की चिंता तो नहीं है, इस पर उन्होंने कहा कि उनके भैया आ गए हैं तो उन्हें कैसी चिंता। आप चले गए थे तो हमारे पैसे आना बंद हो गए थे। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि अब सभी को समय से पैसे मिल जाएंगे। उमरिया जिले की नानबाई बैगा ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें योजना के पैसे तो मिल ही गए साथ ही नियमित रूप से राशन भी मिल रहा है।

गांव के विकास से ही देश का विकास होगा : मंत्री पटेल

किसान की आत्मनिर्भरता से ही होगा प्रदेश और देश आत्मनिर्भर

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा कि किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। किसान मजबूत होकर प्रतिस्पर्धा में आगे निकलेगा तो हमारा देश भी बढ़ेगा। मंत्री श्री पटेल %आत्मनिर्भर भारत और कृषि क्षेत्र का विकास% विषय पर आयोजित वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गांव के विकास से ही देश का विकास होगा।आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश और और आत्मनिर्भर भारत अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए किसान को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि कोरोना संक्रमण काल में जब सब कुछ लॉक डाउन से प्रभावित था तो मात्र कृषि ही ऐसा उद्यम रहा जो निरंतर चलता रहा। इतना ही नहीं इस से संबंधित अन्य व्यवसाय फल, फूल, सब्जी, दूध इत्यादि व्यवसाय भी निर्बाध रूप से चलते रहे । देश के बहुसंख्यक लोगों को रोजगार मिलता रहा। आम जनता का जीवन सुचारू रूप से चलता रहा। कोरोना संक्रमण काल ने बुजुर्गों की कहावत %उत्तम खेती - मध्यम व्यापार% को सही अर्थों में चरितार्थ किया है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों को लाभान्वित करने, खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए कृषि के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने का लक्ष्य रखा है। केंद्र सरकार द्वारा घोषित 20 लाख करोड़ रुपए के आत्मनिर्भर भारत अभियान में कृषि के लिए ही एक लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इससे कृषि के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर ब्लॉक में किसानों के दो-दो समूह बनेंगे। प्रत्येक समूह में तीन सौ किसान रहेंगे। किसानों को प्रशिक्षित किया जाएगा। किसानों के लिए वेयर हाउस, कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग प्लांट और सायलो की व्यवस्थाएं की जाएंगी। किसान अपनी उपज का अधिक से अधिक दाम प्राप्त कर सकेंगे। श्री पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में चना, मसूर और सरसों की समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने वाली मात्रात्मक संख्या को बढ़ाया। इससे किसानों को लाभ मिला। जो किसान पहले अपनी उपज को व्यापारियों को बेच दिया करते थे, अब उन किसानों की उपज को समर्थन मूल्य पर मंडियों में खरीदा जाना आसान हो गया। सरकार ने किसानों को गुणवत्ता पूर्वक खाद ,बीज और दवाइयां उपलब्ध कराने का न केवल लक्ष्य रखा बल्कि उन्हें उपलब्ध भी कराया।

मुश्किल समय में भी शिक्षक निभा रहे महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा द्वारा केंद्र 21 अगस्त को फेसबुक लाइव के माध्यम से आयोजित राज्य स्तरीय शैक्षिक संवाद कार्यक्रम में हमारा घर, हमारा विद्यालय कार्यक्रम के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। इस मौके पर आयुक्त, राज्य शिक्षा केंद्र, श्री लोकेश जाटव ने कहा कि कोरोना संकटकाल में भी शिक्षकों के द्वारा बेहतर कार्य किए जा रहे हैं। हमारा घर, हमारा विद्यालय कार्यक्रम के उद्देश्य पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य कोविड-19 के संकटकाल में शालाएँ बंद होने की अवधि में सीखने की प्रक्रिया को रुकने न देना है। उन्होंने कहा कि सभी सावधानियों का ध्यान रखते हुए 6 जुलाई से हमने जो प्रयास शुरू किए हैं, उनमें रेडियो, टीवी, व्हॉट्सएप जैसे माध्यमों से बच्चों तक शिक्षा सामग्री पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। सीखने के सभी साधनों को समाहित कर यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। डिजिलेप, वाट्सएप समूहों के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक सामग्री प्रदान की जा रही है। शिक्षकों से अपेक्षा है कि इस कार्यक्रम की व्यापक पहुँच के लिए पालकों एवं बच्चों से निरंतर संपर्क बनाए रखें। शिक्षकों को प्रोत्साहन के रूप में राज्य-स्तरीय संवाद कार्यक्रम में खंडवा की शिक्षिका श्रीमती सीमा श्रीबाथो की प्रेरणादायक सफलता की कहानी भी वीडियो के रूप में साझा की गई। इसमें श्रीमती सीमा ने घर-घर जाकर विद्यार्थियों से चर्चा की, प्रश्न पूछे एवं सुनिश्चित किया कि उन पर ऑनलाइन शिक्षा का सकारात्मक प्रभाव हो। आयुक्त श्री जाटव ने बताया कि हमारा घर, हमारा विद्यालय

कार्यक्रम के सिलसिले में 24 से 28 अगस्त की अवधि के दौरान सभी विकासखंडों में शिक्षकों के लिए शैक्षिक संवाद का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य %हमारा घर-हमारा विद्यालय% कार्यक्रम की सफलता में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को सुनिश्चित करना है। इस संबंध में आयुक्त राज्य शिक्षा केन्द्र श्री जाटव ने कहा कि शिक्षकों को एक-दूसरे से बातचीत करने, अपने अनुभवों पर चर्चा करने और अपने साथियों से सीखने का अवसर प्रदान करने की भी आवश्यकता है। यह शैक्षिक संवाद इन्हीं लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए आयोजित किए जाएं। शैक्षिक गतिविधियों के क्रियान्वयन में शिक्षकों के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा %हमारा घर-हमारा विद्यालय% कार्यक्रम की रिपोर्टिंग के लिए एम-शिक्षामित्र एप पर रिर्पोटिंग प्रारंभ की गई है जिसमें शिक्षक स्वयं उनके द्वारा किए गए कार्यों की रिर्पोटिंग दर्ज करते हैं। इसके अंतर्गत दतिया, हरदा, छतरपुर, सिंगरौली एवं बैतूल जिलों में शिक्षकों ने सर्वाधिक रिर्पोटिंग फॉर्म भरे हैं इन टॉप 5 ज़िलों की प्रशंसा करते हुए अन्य जिलों को भी टॉप 5 में आने के लिए प्रेरित किया गया। श्री जाटव ने सीएम राइज़ कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी शिक्षक इन प्रशिक्षणों में भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि वे स्वयं प्रेरित होकर बच्चों को भी प्रेरित कर सकें और प्रभावी शिक्षणकर सकें। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा फेसबुक लाइव के माध्यम से आयोजित इस शैक्षिक संवाद कार्यक्रम में प्रदेश के लगभग 1 लाख 30 हज़ार शिक्षकों एवं मैदानी सहयोगियों ने सहभागिता की।

रावतपुरा सरकार से मंत्री डॉ. मिश्रा ने की भेंट

भोपाल। गृह, जेल, संसदीय कार्य एवं विधि-विधायी मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने टीकमगढ़ जिले के प्रवास के दौरान लिधौरा तहसील के ग्राम छिपरी में संत श्री रावतपुरा सरकार से भेंट कर आशीष प्राप्त किया। मंत्री डॉ. मिश्रा स्थानीय कार्यक्रमों में भी सम्मिलित हुये। इस अवसर पर विधायक टीकमगढ़ श्री राकेश गिरी, खरगापुर श्री राहुल सिंह, पूर्व विधायक पृथ्वीपुर श्रीमती अनीता नायक एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

आबकारी मामलों के लिये गठित मंत्रिपरिषद समिति की बैठक

भोपाल। आबकारी मामलों में निर्णय लेने के लिये गठित मंत्रिपरिषद समिति की बैठक शुक्रवार को

मंत्रालय में हुई। बैठक में वर्ष 2020-21 के लिये प्रदेश के 52 जिलों में देशी मदिरा प्रदाय व्यवस्था के लिये राज्य के 11 डिस्टलरों से प्रति-पेटी थोक दरों पर विचार हुआ। बैठक में वाणिज्यिक कर, वित्त, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह तथा आदिम जाति कल्याण, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री कु. मीना सिंह उपस्थित थे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह और पशुपालन, सामाजिक न्याय एवं निश्शक्तजन कल्याण मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

कृषि अधोसंरचना कोष बदलेगा कृषि और किसानों की दशा

प्रधानमंत्री मोदी की अद्भुत योजना को जमीन पर उतारने में पीछे नहीं रहेगा मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज वीडियो कान्फ्रेंस से केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण, पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ कृषि अधोसंरचना कोष के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत चर्चा में हिस्सा लिया। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा आत्मनिर्भर भारत अन्तर्गत कृषि क्षेत्र में अधोसंरचना कोष के संबंध में राज्यों से चर्चा की और प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा किसानों की समृद्धि के लिए तैयार किए गए प्रकल्प को सफल बनाने का आव्हान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री श्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत कृषि अधोसंरचना कोष का अधिकाधिक लाभ किसानों को दिलवाने का कार्य करेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने की यह अद्भुत योजना है। मध्यप्रदेश सरकार इसके क्रियान्वयन में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इसे जमीन पर उतारने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने ठोस प्रयास प्रारंभ कर दिए हैं। मध्यप्रदेश के प्रयासों का आज वीडियो कान्फ्रेंस में उल्लेख हुआ। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय के अधिकारियों ने मध्यप्रदेश में आत्मनिर्भर वेबिनार के माध्यम से कृषि अधोसंरचना कोष के प्रावधानों का लाभ लेने के लिए की गई अग्रिम पहल को अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बताया। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय की इस

वीडियो कान्फ्रेंस में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के दोनों राज्यमंत्री श्री पुरुषोत्तम रूपाला और श्री कैलाश चौधरी के साथ ही हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत और हिमाचल प्रदेश, गुजरात एवं अन्य प्रांतों के कृषि एवं सहकारिता मंत्री उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने केन्द्रीय मंत्री को आश्वस्त किया कि वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए मध्यप्रदेश में सुनियोजित प्रयास होंगे। इस दिशा में कृषि, सहकारिता और उद्यानिकी विभाग की गतिविधियाँ प्रारंभ हो गई हैं। कृषि विभाग की तरफ से राज्यस्तरीय निगरानी समिति और जिलास्तरीय निगरानी समितियों के गठन, कृषक उत्पादक समूह (एफपीओ) को आंदोलन के रूप में विस्तारित करने का लक्ष्य है। हर विकासखंड से योजना के अंतर्गत कम से कम दो प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए हैं। सहकारिता विभाग की तरफ से भारत सरकार के उपक्रम नाबार्ड, एनसीवीसी के अधिकारियों को शामिल करते हुए सहकारिता विभाग, अपेक्स बैंक और मार्कफेड के अधिकारियों की दो कमेटियों का गठन किया गया है। निर्धारित मापदंडों के मुताबिक 263 जिलास्तरीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) और 54 विपणन समितियों को चिन्हित कर लिया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश में उन्नत सीडग्रेंडिंग प्लांट, वेक्यूम व्हीट पैकिंग यूनिट, वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज की श्रृंखला विकसित होगी। मध्यप्रदेश में एक जिला एक पहचान के अंतर्गत विभिन्न जिलों में सब्जियों और फलों के उत्पादन की अधिकता का लाभ लेते हुए प्रोसेसिंग यूनिट विकसित होंगी। वर्तमान में उत्पादन अधिक हो जाने से उत्पाद की कीमत कम हो जाने की स्थिति में किसान लाभान्वित नहीं हो पाता। उद्यानिकी विभाग की ओर से पैकहाउस, कोल्डरूम, इंटेग्रेटेड हाउस, इंटेग्रेटेड कोल्ड चेन सप्लाई, मोबाइल प्रोसेसिंग यूनिट, सॉर्टिंग एण्ड ग्रेडिंग के प्रकरण तैयार किए जा रहे हैं। इस संबंध में हाल ही में आत्मनिर्भर वेबिनार में रोडमैप बनाने के लिए हुए विचार-विमर्श में ठोस सुझाव मिले हैं। इन्हें क्रियान्वित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस मत के वे पक्षधर हैं कि सिर्फ सब्सिडी आदि से किसान कल्याण संभव नहीं है बल्कि दीर्घ अवधि की प्लानिंग तैयार कर बिचौलियों से उत्पादकों को बचाते हुए ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलवाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कृषि उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश में स्टार्टअप को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर भारत के पैकेज के अंतर्गत बेहतर परिणाम लाने के लिए संकल्पबद्ध है। केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत कृषि अधोसंरचना कोष में एक लाख करोड़ की राशि के प्रावधान और क्रियान्वयन के बिंदुओं पर राज्यों से हो रही यह बातचीत इस कार्य को गति प्रदान करेगी। कृषि क्षेत्र में वृहद स्तर पर निवेश से निश्चित ही क्रांति आएगी। आमूल-चूल परिवर्तन के यह प्रयास आत्मनिर्भर भारत में बड़ा योगदान देंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने बताया कि एक लाख करोड़ के पैकेज को 8 जुलाई को मंजूरी मिली थी, एक माह बाद ही 9 अगस्त को कार्यवाही पूरी की गई।

संपादकीए

बिहार की राजनीति

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले विपक्षी खेमे को तगड़ा झटका लगा है। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) ने महागठबंधन से नाता तोड़ लिया है। हम अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने आरोप लगाया है कि आरजेडी नेता तेजस्वी यादव जिद्दी हैं और किसी की कोई बात सुनते ही नहीं हैं। ऐसे में उनके साथ रहकर काम करना मुश्किल है। जीतन राम मांझी का महागठबंधन से अलग होना बड़ी क्षति मानी जा रही है। मांझी बिहार में महादलित समाज के बड़े नेता माने जाते हैं। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि वोट बैंक के हिसाब से जीतन राम मांझी महागठबंधन को कितना नुकसान पहुंचा सकते हैं। बिहार में दलित और महादलित को मिलाकर करीब 16 फीसदी वोटर हैं। इसमें से करीब 5 फीसदी पासवान वोटर रामविलास पासवान की पार्टी के साथ होने का दावा किया जाता है। वहीं जीतन राम मांझी जिस मुसहर समाज से आते हैं उनका वोट प्रतिशत करीब 5.5 फीसदी है। रामविलास पासवान इस वक्त पहले से ही एनडीए में हैं, वहीं मांझी के अलग होने से महागठबंधन को करीब 5 फीसदी और वोटों का सीधा सीधा नुकसान होता दिख रहा है। इसके अलावा महादलित कैटेगरी से आने वाले मांझी के चेहरे पर मिलने वाला वोट भी महागठबंधन से छिटक सकता है। बिहार में अनुसूचित जाति के लिए बिहार विधानसभा में कुल 38 सीटें आरक्षित हैं। 2015 में आरजेडी ने सबसे ज्यादा 14 दलित सीटों पर जीत दर्ज की थी। जबकि, जेडीयू को 10, कांग्रेस को 5, बीजेपी को 5 और बाकी चार सीटें अन्य को मिली थी। इसमें 13 सीटें रविदास समुदाय के नेता जीते थे जबकि 11 पर पासवान समुदाय से आने वाले नेताओं ने कब्जा जमाया था। मांझी और पासवान दोनों नेताओं के एनडीए खेमे में होने से महागठबंधन को इसका सीधा सीधा नुकसान होता दिख सकता है। जीतन राम मांझी के अलग होने के बाद होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए मुख्य विपक्षी दल श्याम रजक के चेहरे को आगे कर सकती है। जानकार मानते हैं कि राज्य की राजनीति में जीतन राम मांझी और राम विलास पासवान दलितों के बीच जितना बड़ा चेहरा हैं उनकी अपेक्षा श्याम रजक कहीं नहीं टिकते हैं। मांझी जहां राज्य के सीएम रह चुके हैं, वहीं राम विलास पासवान लंबे समय से केंद्र सरकार का हिस्सा हैं। जीतन राम मांझी महागठबंधन से अलग हो गए हैं, लेकिन उनका अगला कदम क्या होगा यह भी देखने लायक होगा।

प्रथम पूज्य श्री गणेश, पार्वती का लाडला, शिवजी के प्यारे, लड्डुअन खा के जो मुसिक सवारे,वो है जय गणेश देवा हमारे।

श्री गणेश का जन्म भाद्रप्रद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को दोपहर 12 बजे हुआ था। कहते हैं कि माता पार्वती ने पुत्र की प्राप्ति के लिए पुण्यक नामक उपवास किया था। इसी उपवास के चलते माता पार्वती को श्री गणेश पुत्र रूप में प्राप्त हुए। शिव महापुराण के अनुसार माता पार्वती को गणेशजी का निर्माण करने का विचार उन्हीं की सखी जया और विजया ने दिया था। उनकी सखियों ने उनसे कहा था कि नंदी और सभी गण सिर्फ महादेव की आज्ञा का ही पालन करते हैं इसलिए आपको भी एक ऐसे गण की रचना करनी चाहिए, जो सिर्फ आपकी ही आज्ञा का पालन करे। इस विचार से प्रभावित होकर माता पार्वती ने श्री गणेश की रचना अपने शरीर के मैल से की। प्रथम पूज्य देवता-सभी धर्मों में गणेश की किसी न किसी रूप में पूजा या उनका आह्वान किया ही जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गणेशजी को केतु के रूप में जाना जाता है। गणेश पूजा से बुध और केतु ग्रह का बुरा असर नहीं होता। प्रत्येक शुभ और मांगलिक कार्य में लाभ और शांति हेतु सबसे पहले गणेश स्तुति और पूजा ही की जाती है। ऐसा करने से किसी भी प्रकार के विघ?न नहीं आते हैं। शिवमहापुराण के अनुसार जब भगवान शिव त्रिपुर का नाश करने जा रहे थे, तब आकाशवाणी हुई कि जब तक आप श्री गणेश का पूजन नहीं करेंगे, तब तक तीनों पुरों का संहार नहीं कर पाएंगे। तब भगवान शिव ने भद्रकाली को बुलाकर गजानन का पूजन किया और युद्ध में विजय प्राप्त की। गणेश चतुर्थी ही नहीं भगवान गजानन की पूजा अन?य त?योहारों पर भी सबसे पहले की जाती है। दरअसल इसके पीछे एक मान?यता है कि बप?पा हर प्रकार के विघ?न बाधा को हर लेते हें। उनकी पूजा करने से कोई भी कार्य बिना बाधा के पूर्ण होता है। जो भी कार्य आप करते हैं जो बिना रुकावट के अपने मुकाम को पहुंचता है।भगवान गणेश जहां विघ्नहर्ता हैं वहीं रिद्धि और सिद्धि से विवेक और समृद्धि मिलती है। शुभ और लाभ घर में सुख सौभाग्य लाते हैं और समृद्धि को स्थायी और सुरक्षित बनाते हैं। प्रथम लेखक- गणेशजी को पौराणिक पत्रकार या लेखक भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने ही %महाभारत% का लेखन किया था। इस ग्रंथ के रचयिता तो वेदव्यास थे, परंतु इसे लिखने का दायित्व गणेशजी को दिया गया। इसे लिखने के लिए गणेशजी ने शर्त रखी कि उनकी लेखनी बीच में न रुके। इसके लिए वेदव्यास ने उनसे कहा कि वे हर श्लोक को समझने के बाद ही लिखें। श्लोक का अर्थ समझने में गणेशजी को थोड़ा समय लगता था और उसी दौरान वेदव्यासजी अपने कुछ जरूरी कार्य पूर्ण कर लेते थे। गणेशजी की महिमा- गणपति आदिदेव हैं जिन्होंने हर युग में अलग अवतार लिया। गणेशजी सतयुग में सिंह, त्रेता में मयूर, द्वापर में मूषक और कलिकाल में घोड़े पर सवार बताए जाते हैं। कहते हैं कि द्वापर युग में वे ऋषि पराशर के यहां गजमुख नाम से जन्मे थे। उनका वाहन मूषक था, जो कि अपने पूर्व जन्म में एक गंधर्व था। इस गंधर्व ने सौभरि ऋषि की पत्नी पर कुदृष्टि डाली थी जिसके चलते इसको मूषक योनि में रहने का श्राप मिला था। इस मूषक का नाम डिंक है। उनके 12 प्रमुख नाम हैं- सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र और गजानन। उनके प्रत्येक नाम के पीछे एक कथा है।

सभी देवताओं की शक्तियां- गणेशजी को सभी देवताओं की शक्तियां प्राप्त हैं। जिस तरह हनुमानजी को सभी देवताओं ने अपनी अपनी शक्तियां दी थीं उसी तरह गणेशजी को भी सभी देवताओं की शक्तियां प्राप्त हैं। इसके बावजूद उनके पास अपनी खुद की शक्तियां भी हैं।

गोपाल कृष्ण पटेल
दीनदयाल कॉलोनी
जांजगीर छत्तीसगढ़

पलायन

था किसान, ख़र्चों से मजबूर था,
कर पलायन, शहर मज़दूर बना।
थे खेत, फ़सलें उगती थी वहाँ,
बाढ़, कभी सूखे ने, विनाश किया,
बचा न कुछ, उगती भूख वहाँ।
आया है खत आज माँ का,
सड़कें हुईं पक्की, गाँव लौट आ।
टपकती छत की मरम्मत,
थी उसकी बड़ी विवशता।
नापता है सड़कें, करता मज़दूरी,
जेहन में गाँव का नक्शा धरा।
है रोटी की ख़ातिर शहर में,
दिल गाँव में भटकता रहा।
आया था, रेलगाड़ी में ठूँसकर,
यहाँ उसका कोई काम ना था।
टटोला दिल को, वहीं की यादें,
लिपटी इर्द गिर्द, बनकर धागा।
रोज शहर आती भीड़ देखकर,
गाँव से अपना रिश्ता तोड़कर।
युवा किसान, मज़दूर पूछे सवाल,
कैसा होगा, गाँव का सूरते हाल?

नीना सिन्हा,कलमकार,
पटना, बिहार।

हर रोज गमो के साये में

जिंदगी कहते हैं जिसे क्यू हम गुज़ारें
क़र्ज़ साँसों का उतारें या किसी शाहजादी को निहारें
कौन होगा इस दिल के सिवा जिंदगी के असहाय दुःखों में अपने साथ
तो फिर किसे आवाज़ दें, किस को पुकारें
शाम को जरा सी ही फुर्सत मिलती है
अब इसे गम में ही क्यू गुज़ारें
धूल से भरे हुए इक सुनसान रास्ते पर नुक्कड़ में मेरी छोटी से दुनिया आबाद है
चाय पीकर जहाँ मेरे दिन गुजरते है आए दिन
हवा-ए-शाम में छत पर बैठे - बैठे सामने कुछ दोस्त और कुर्सियो का दायरा
इस दायरे की शाख़ों में फैला इक अजीब गम
ये शाखे अपने - अपने गम से उबर पाने की जद्दोजहद में लगी रहती है
पर इसके साए में बिखरे हुए पत्तों की तरह सबको आए दिन बारी-बारी से मिलती शिकस्त
फिर कतरा-कतरा सब आईने बिखरे हुए मिलते हैं
जिन के सारे ज़ख़्म अपनी रूह के
अपने अहंकार के आरज़ुओं के ख़्वाहिशों के अभावो के और हसरतों के उजड़े संसार हैं
वही है रहगुज़र , वही पथरीली साँसे
वही जहाँ है गमो के साये में, वही हम हैं
वही है ज़िंदगी
इक नाखुश, बीमार बुढ़े इंसान की तरह
जो अपने माथे पर सिलवटे डाले नाराज बैठा रहता है
सब से, खुद से,और खुद में
जो बस चाय के कड़वे घूँट कतरा-कतरा बहाकर अपने गले में उतार रहा है
और हर घूँट में उस के माथे की ताज़ा सिलवटों की परछाई है
ये है ज़िंदगी
हर शाम उस बूढे इंसान की तरह दोहराती है
ये है ज़िंदगी

कैलाशसिंह राठौड़
पूगल जिला बीकानेर(राजस्थान)

गौचर भूमी-गायो के लिए आरक्षित भूमी हो

पूर्वकाल में हर गाँवो में गायों के चरने विचरण करने के लिए जमीन छोड़ी जाती थी, उसे गौचर भूमी कहते थे। गौ + चर - गौ यानी गौमाता और चर यानी गायों के चरने विचरने का स्थान। पूर्वकाल में गाँव के गुंदरे गाँव के आसपास काफी मात्रा मे गायो के लिऐ जमीन छोड़ी जाती थी। सदियों से गौचर ओरण ,गौराण , सरेडा,की जमीन ग्रामीण संस्कृती का अभिन्न हिस्सा रहा है! पर्यावरण संरक्षण व पुण्य भावना से प्रेरित होकर हर गाँव में ओरण व गौचर के लिऐ भूमी सुरक्षित रखी जाती थी। जिस पर घर तो क्या मंदिर मठ भी नहीं बनाये जाते थे! गौचर भूमी जहाँ गौ माता ,हरी हरी घास वनस्पतियां खाकर कर, सरोवरों का पानी पीकर धाप तृप्त होकर आराम से बैठती थी। गौचर भूमी पर गौ माता के अलावा किसी का अधिकार नहीं होता था। उस समय राजा और प्रजा दोनों मिलकर गौचर भूमी छोड़ते थे! कुछ लोग संतान प्राप्ती,,शुभ आयोजनों पर व स्वेच्छा से भी गौचर भूमी दान करते थे। उस गौचर भूमी पर किसी भी प्रकार का राज्य कर भी नही होता था !पुरे गाँव की गौओ वहाँ चरती और विचरण करती थी। लोग इस बात से डरते थे की गौचर भूमी का एक तिनका ,एक लकड़ी या एक दाणा भी घर पर न आऐ। इसलिए वो लोग गौचरण भूमी का सम्मान करते थे। गौचर भूमी से उत्पन्न धान्य और घास एक अग्नि के अंगारे के समान होता है जिसे गायो के अलावा कोई मनुष्य पचा नही सकता है। संतो महापुरूषो ने गौ ग्रास को अग्नि के अंगारो के समान बताया गया है!. कुछ बड़े बुजुर्ग कहते है की जिन लोगों के खेत की सीमा गौचर भूमी से लगती थी वो कीसान अपने खेत से गौचर भूमी से लगी सीमा पर 10-20 फुट तक खेती नही करता था। उन्हे इस बात का डर था की कई गौचर भूमी की मीट्टी हवा के द्वारा खेत मे आ गई हो उसमें अनाज पैदा होकर परिवार में आ जाये तो परिवार मे नुकसान हो सकता है ,कुछ बड़े बुजुर्ग बताते है की किसी के खेत का रास्ता गौचर भूमी से होकर गुजरता था,जब लोग गौचर भूमी से होते हुऐ अपने खेत मे जाते थे जब गौचर भूमी समाप्त होकर खेत की सीमा लगती थी उससे पहले वो लोग अपने जूतों को भी उल्टा कर झटकते थे की कही गौचर भुमी की मीट्टी खेत मे न आ जाऐ। गौचर भूमी की मीट्टी खेत में आ गई और उनसे अन्न पैदा होकर खा लिया तो परिवार मे भंयकर विनाश हो सकता है!

गौपुत्र हरीश कुमार पुरोहित
आलडी, जालोर (राजस्थान)

ये कहानी है उस लड़की की...

जो कब लड़की से औरत बन चली थी पता भी नहीं चला...
कब उन नन्हे कदमो ने पिता की ऊँगली पकड़ चलना सीख लिया,,
माँ के आँचल मे छीप कर, मुस्कुराना सीख लिया..
मोहल्ले की उन गलियों मे
सहेलियों संग खेलना कूदना, लड़ना झगड़ना सीख लिया...
वो बचपन बीत ने को आया,,
बोर्ड की परीक्षाए भी दी,, स्कूल की विदाई पार्टी भी ली..
फिर कॉलेज मे दादागिरी करना भी सीख लिया,,
स्कर्ट पहनती लड़की ने अब शर्ट पेंट कोट पहन ना लिख लिया..
डिग्री ज़ब लेने निकली,,
दादी बोली, माँ बोली, मासी भी बोली,,
अब किताबी ज्ञान बहुत ले लिया..
समझ गई वो लड़की और महादेव नाम का जाप करना सीख लिया..
लड़का अच्छा है,, माँ बाप भी अच्छे है,, गाड़ी बंगला बैंक बैलेंस भी अच्छा है,,
ऐसे सपने दिखा उसे घर से विदा कर दिया..
÷खुद के सपने छोड़,,
उसके घर को खुशहाल करने चली÷
फिर हुआ यूँ की....
कुछ कह ना सकी माँ को.. शिकायत न कर पाई पिता को..
बहन भाई का सोच,, वो चुप रही..(क्यूकी वो स्त्री बन चली थी जो पूरा जीवन दुसरो के लिए जीती है)
उस घर मे रही, उस माहौल मे रही..
जंहा दो वक्त की रोटी मिली पर इज्जत नहीं..
वो लोग मिले,, जिन्हे खुद की बेटी बेटी सी लगती और दुसरो की बेटी बहू सी..
उसे वहां बेटी बहू मे अंतर मिला... उसे वहां दहेज़ का ताना मिला...
पढ़ी लिखी लड़की थी,
स्कर्ट टॉप छोड़ जिसके लिए साडी पहनी वो किसी और के पल्लू मे बंधता मिला..
एक खुले दिल वाली लड़की, अपनी आवाज़ से 4 लड़को को चुप करवा देने वाली लड़की..
अब स्त्री बन गई है
वो लाचार बेबस बेवकूफ़ सी स्त्री...
पर अब वो बोलेगी,,, मुंह खोलेगी।।
जो मौन का आभूषण वो धारण किये बैठी थी,,, अब वो उतारेगी।।।

गुंजन स्वामी
कनिष्ठ सहायक, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर

हरियाली के श्रृंगार

जब से बरसल बा सावन के फुहार,
मौसम में आ गईल बा बहार भौजी।
सब जीव जंतु करत रहलक मनुहार,
काले बदरा बरसईले बौछार भौजी।

सुखल धरती पर गिरते बारिश के बूंद,
खत्म हो गईले सूरज के अंगार भौजी।
अब नईखे कहीं भी सूखा के आसार,
वसुंधरा कईले हरियाली के श्रृंगार भौजी।

बिछते ही धरा पर हरियाली की चादर,
दिखे लगल खूबसूरत घर-संसार भौजी।
मौसम में आवते ही अनुकूल सुधार,
होखे लागल घर-घर पर्व-त्यौहार भौजी।

घर-घर में भईल उमंग उत्साह के संचार,
बदलल व्यक्ति-व्यक्ति के व्यवहार भौजी।
सब कुछ बदल दिहले वर्षा के फुहार,
और बदल गईल भोजन-आहार भौजी।

स्वरचित मौलिक रचना
उ0 गोपेंद्र कु सिन्हा
औरंगाबाद बिहार

गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं

हे प्रभु गणेशा, ओ प्रभु गणेशा,
रहना आप साथ मेरे हमेशा,
जब मैं हो जाऊ उदास,
मेरे हृदय में करके वास,
जगा देना मेरा विश्वास,
आप मेरे आस-पास हो
इसका है मुझको अहसास.
हे प्रभु गणेशा, ओ प्रभु गणेशा,
रहना आप साथ मेरे हमेशा,
नाश करना हमारे अभिमान का,
देना दान हमें आप ज्ञान का,
काम ऐसा करें बढ़े मान माँ-बाप का,
खुश रहूँ और जीवन हो सम्मान का.
हे प्रभु गणेशा, ओ प्रभु गणेशा,
रहना आप साथ मेरे हमेशा,
दूसरों की सेवा का व्रत मैं पाल लूँ,
आपकी कृपा से ये जिंदगी सम्भाल लूँ,
आपकी भक्ति की आदत मैं डाल लूँ,
जिन माँ-बाप ने बचपन में सम्भाला मुझे
इतनी ताकत देना कि मैं उनकों सम्भाल लूँ.
हे प्रभु गणेशा, ओ प्रभु गणेशा,
रहना आप साथ मेरे हमेशा,

लेखक =–आकाशवाणी वरिष्ठ श्रोता छैलाराम
मेघवाल मेलाणा जोधपुर राजस्थान ।

मुख्य मुद्दे से दूर हो गया परिवार कल्याण

देश की हर गली ए हर नुक्कड़ ए हर चौराहा आज बढ़ती आबादी का प्रत्यक्ष उदाहरण बन गया है । बस स्टॉप ए हवाई अड्डा ए रेलवे स्टेशन ए अस्पताल ऑर मंदिर जैसे सार्वजनिक जगहों पर भारी भीड़ आसानी से देखी जा सकती है । विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि साल 2025 तक भारत जनसंख्या के मामले में चीन को पछाड़ देगा ऑर विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जायेगा। हमने आज मृत्यु दर पर तो सफ्लतापूर्वक नियंत्रण पा लिया है एपरंतु जन्म दर को नियंत्रित करने में नाकामयाब रहे हैं । यदि जनसंख्या में इसी दर से वृद्धि होना जारी रहा ए तो अब से कुछ वर्षों के बाद हमारे पास बेरोजगार ए भूखे एवं निराश व्यक्तियों की एक फौज खड़ी हो जाएगी जो देश की सामाजिक ए आर्थिक तथा राजनीतिक प्रणालियों ऑर संस्थाओं की जड़ों को हिला कर रख देगी । सभी मांगों का एक संख्यात्मक आयाम होता है । चाहे स्वास्थ ए शिक्षा एआवास ए नियोजन ए जलापूर्ति अथवा अन्य क्षेत्र यह एक सवाल है कि कितनों के लिए ष्

आज परिवार कल्याण हमारी सरकारों के मुद्दे से गायब है । चाहे वे केंद्र सरकार हों या राज्य सरकारें । कहीं भी इसकी चर्चा नहीं होती है । परिवार कल्याण की जगह स्वच्छता अभियान की चर्चा खूब होती है । साल दृदर दृसाल बीत जाता है परंतु परिवार कल्याण कार्यक्रम एवं उसके उपायों की बात किसी के द्वारा नहीं की जाती है । देश के प्रधानमंत्री हों ए राज्य के मुख्यमंत्री या अन्य मंत्रीगण कोई ने भी इस मुद्दे पर बात नहीं करना चाहते हैं । क्या जनसंख्या दिवस पर कुछ कार्यकर्मों को आयोजित कर लेने इस दिन को सप्ताह या पखवाड़ा मनाना ही काफी है।

इन्दिरा गांधी शासन काल के दौरान संजय गांधी ने जनसंख्या नियंत्रण अभियान तो शुरू किया लेकिन लोगों की जबरन नसबंदी ऑर महिलाओं की जबरन नलबंदी या प्रलोभन देकर किए गए आपरेशनों ने इतना जन आक्रोश फैला कि जनसंख्या नियंत्रण का मुद्दा आपातकाल के अत्याचारों के शोर में ही समा गई । भारत में मुस्लिम वोटरों के नाराज होने के चक्कर में केंद्र की कांग्रेस सरकार हिम्मत न कर सकी। जब भी देश में जनसंख्या नियंत्रण की आवाज उठी तो उसे धर्म के साथ जोड़ा गया है । जनसंख्या नियंत्रण एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है। विगत कुछ दशकों की राजनीति अनिश्चिता तथा सांप्रदायिक उन्माद के मध्य जनसंख्या विस्फोट की समस्या को पृष्ठभूमि में ढकेल दिया गया है । न राजनीतिक दल अथवा सरकारें उस समस्या पर ध्यान केन्द्रित किए जाने को आवश्यक समझते हुए प्रतीत होते हैं । इस तथ्य पर विद्वानों द्वारा किए गए अध्ययनों एवं विचारों की कोई कमी नहीं है ए कि भारत आर्थिक एवं मानवीय विकास की दौड़ में मुख्य रूप से इसलिए पिछड़ रहा है ए क्योंकि यह अपनी जनसंख्या की वृद्धि को सीमित करने में बहुत अधिक प्रगति का प्रदर्शन नहीं कर सका है।

हम सारी उम्मीद सरकार से करते हैं ऑर स्वयं कुछ नहीं करें इससे काम नहीं होने वाला है । ऐसा भी नहीं है कि परिवार कल्याण का महत्व लोगों ने नहीं समझा हो या परिवार कल्याण पूरी तरह से फेल हो गया हो । वह समय अब चला गया कि एक ही परिवार में आमतौर पर सात दृआठ बच्चे हुआ करती थी । न बच्चे पढ़ पाते थे न बच्चे को उचित पोषण आहार उपलब्ध हो पाता था ऑर परिवार का मुखिया अकेला संकट से जूझता रहता था । धीरे दृधीरे लोगों ने इस परिवार कल्याण को महत्व को समझा एलोगों में जागरूकता आई तो परिवार की खुशियाँ अब 2से 3 बच्चे तक सिमटने लगे हैं । जो लोग छोटे परिवार का महत्व को समझा है उन्होने परिवार कल्याण कार्यक्रम को अपनाया है । ऐसे लोगों को ऑर प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है । समाज में रोल मॉडल बनकर आगे आकर जागरूकता में योगदान देना होगा । हर व्यक्ति यह ठान ले वह कम से कम पाँच व्यक्तियों को जागरूक करेगा ऑर सीमित परिवार बनाने के लिए उसे प्रोत्साहित करेगा तो जनसंख्या नियंत्रण में अपनी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है ।

आज बढ़ती हुई जनसंख्या इस बात की संकेत देती है कि आज भी परिवार कल्याण कार्यक्रम सुदूर क्षेत्रों तक नहीं पहुँच पायी है। विभिन्न समुदाय तक इसके महत्व को समझाने में या उन्हे जागरूक करने में सरकार सफ्ल नहीं हो पायी है । केंद्र एवं राज्य सरकारों को इसे प्राथमिकता देकर मुख्य मुद्दा में शामिल करना होगा ऑर दूर दृदराज के क्षेत्रों तक इसे पहुंचाना होगा । आज भी दूरस्त क्षेत्रों में एमजदूरों में एआदिवासियों में एअल्पसंख्यक समुदायों में परिवार कल्याण का प्रचार एअंतराल एगर्भवती की देखभाल एटीकाकरन के प्रति जागरूकता के ऑर अधिक प्रयासों की अवश्यकता है । सरकार के साथ दृसाथ आम नागरिक भी एवं गैर सामाजिक सरकारी संगठनों को भी आगे आकर अपनी भागीदारी देनी होगी । सभी के समुचित प्रयासों से जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में कुछ बेहतर होने की उम्मीद की जा सकती है।

लेखक जे आर पाठक ;
रांची ;झारखण्ड

व्यक्ति को जन्म लेने के बाद कुछ परोपकार जरूर करना चाहिये : पीएचई मंत्री कंषाना

जौरा मुख्य सड़क से जाफराबाद के स्कूल तक मंत्री ने सड़क निर्माण की घोषणा की

मंत्री व कलेक्टर ने मैद्यावी विद्यार्थी एवं कोरोना योद्धाओं का किया सम्मान

मुरैना। प्रदेश के पीएचई मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा कि व्यक्ति पृथ्वी पर जन्म लेता है तो उसे अवश्य कुछ न कुछ परोपकार करना चाहिये। जिससे वह अपना ही नहीं बल्कि दूसरों का भला कर सके। उन्होंने जाफराबाद गांव के समीप बल्देव कृष्ण कॉलेज में मैद्यावी विद्यार्थी एवं कोरोना योद्धाओं का सम्मान करते हुये घोषणा की, कि जौरा मुख्य सड़क से एक किलोमीटर लंबी सीसी सड़क का निर्माण स्कूल तक दो माह के अंदर किया जायेगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री सूबेदार सिंह रजौधा, कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास, कटीवरी सरकार के महंत श्री राधाशरण दास जी, जौरा एसडीएम श्री नीरज शर्मा, एसडीओपी पुलिस, तहसीलदार, बीआरसी जौरा श्री मुन्नालाल यादव, आनंदम संस्थान की ओर से सुधीर आचार्य, डीपीसी श्री इन्दौलिया, समाजेसवी श्री बालकृष्ण, पप्पू राणा सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं मैद्यावी छात्र-छात्रायें उपस्थित थे। पीएचई मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव को खुशहाल देखना चाहती है। इसके लिये गांव-गांव सड़क, बिजली और पानी का प्रबंध करना सरकार की प्राथमिकता में है। इसके तहत जौरा रोड़ से जाफराबाद के स्कूल तक एक किलोमीटर सीसी रोड़ की घोषणा की जाती है। इस सड़क का निर्माण दो माह के अंदर प्रारंभ हो जायेगा। इसके लिये स्कूली छात्र-छात्रायें एवं ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा होगी। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि कोरोना के समय जिला कलेक्टर एवं उनकी टीम द्वारा सराहनीय कई कार्य किये गये थे, जिसकी वजह से आज मुरैना सकून में है। इसके साथ ही विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों द्वारा ऐसे परिवारों को कोरोना काल में सहयोग प्रदान किया। जिसे इस मंच से बताना उचित नहीं होगा। उन सरपंचों को भी मैं तह दिल से धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि जब मनुष्य पृथ्वी पर आता है, तब उसे ऐसा परोपकार करना चाहिये। जो दूसरों के हित में है, बो हमारी ग्राम पंचायतों के सरपंचों द्वारा किया गया। वह सराहनीय कदम रहा। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि मुन्ना लाल यादव भी क्षेत्र के कार्यो में बार-बार मुझे स्मरण कराते रहते है, उनका भी कोरोना काल में सराहनीय कदम रहा है। उन्होंने कहा कि इस कॉलेज के विकास में कहीं कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने कहा कि कोरोना अभी गया नहीं है, मुरैना जिले के निवासियों ने मेरा भरपूर सहयोग किया है। जिससे आज हम कोरोना से सकून मेहसूस कर रहे है। जब तक कोरोना की वैक्सीन तैयार होकर जिले के 23 लाख लोंगो में टीका नहीं हो जाता है, तब तक इस रोग से छुटकारा नहीं मिल सकता। सभी लोग कोविड नियमों का पालन करें। मास्क, फेसकवर घर से ढ़ंककर ही निकलें।

चंबल कमिश्नर व कलेक्टर ने जौरा पहुंचकर सीसी शिविर का किया निरीक्षण

मुरैना। चंबल संभाग के कमिश्नर श्री आर.के. मिश्रा ने शुक्रवार को जौरा पहुंचकर वहां आयोजित सीसी, (पूर्णत: प्रमाण-पत्र) शिविर का निरीक्षण किया। शिविर लगाने का मकसद यह था कि जिले में हजारों की संख्या में निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके है, लेकिन उनका पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी नहीं होने से वे पोर्टल पर अपूर्ण दिखाई दे रहे है। जिसमें जिले के ऐसे 11 हजार काम पोर्टल पर अपूर्ण दिखाई दे रहे है। इसके लिये सीसी जारी करने के निर्देश पूर्व में दिये गये थे। निर्देशों के तहत जौरा ब्लॉक में आज 70 पंचायतों के अन्तर्गत 128 कार्यो में से 92 कार्यो की सीसी शिविर में जारी की गई। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास, एसडीएम जौरा श्री नीरज शर्मा, जनपद सीईओ जौरा, सीएमओ सहित निर्माण विभाग के एई, ग्राम पंचायतों के सचिव उपस्थित थे। चंबल कमिश्नर श्री आर.के. मिश्रा ने कहा कि जो कार्य पूर्ण हो चुके है, उनकी सीसी जारी न हो तो वह पोर्टल पर कार्य अपूर्ण दिखाई देते है। जिसे भोपाल सहित सभी जिले देखते है। यह स्थिति मुरैना के लिये चिन्तनीय बनी हुई थी। जिसमें सुधार की आवश्यकता है। इसलिये यह सीसी शिविर आज जौरा ब्लॉक में लगाया गया है, जिसमें 71 प्रतिशत सीसी जारी की जा चुकी है। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने प्रत्येक ग्राम पंचायत के काउन्टर पर पहुंचकर संबंधित इन्जीनियर एवं सचिव से ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्य, कुल निर्माण कार्य, पूर्ण, अपूर्ण की जानकारी प्राप्त की। पूर्ण होने वाले कार्यो की सीसी जारी करने के निर्देश मौके पर ही दिये। उन्होंने कहा कि किन्हीं कारण बस छोटे-मोटे भुगतान में विलंब जरूर हुआ होगा, किन्तु सीसी जारी करना हमारी प्राथमिकता है। इस कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। निर्माण शाखा एवं सचिव इसे ध्यान पूर्वक सुनें।

चंबल प्रोग्रेस-वे से होने वाले लाभों से कमिश्नर मिश्रा ने किसानों को अवगत कराया

चंबल संभाग के कमिश्नर श्री आर.के. मिश्रा शुक्रवार को वीरपुर के पांचो ग्राम पहुंचे, जहां उन्होंने चंबल प्रोग्रेस-वे से प्रभावित किसानों को प्रेरित कर चंबल प्रोग्रेस-वे के लाभ की जानकारी देकर कृषकों को प्रोत्साहित किया। कमिश्नर श्री मिश्रा ने किसानों से कहा कि उन्हें जमीन के बदले अच्छी उपजाऊ जमीन उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने कृषकों से कहा कि चंबल अटल प्रोग्रेस-वे के बन जाने से संपूर्ण क्षेत्र में विकास की क्रान्ति आ जायेगी। इस क्षेत्र के लोग सीधे राजस्थान और उत्तरप्रदेश से जुड़ जायेंगे। कोरीडोर बनने से औद्योगिक विकास होगा।

कलेक्टर ने जौरा में जनपद एवं नगर पंचायत में आधार फीडिंग के कार्य किया निरीक्षण

राशन मित्र पोर्टल पर पात्र परिवारों का 25 अगस्त तक आधार फीडिंग करें

मुरैना। राशन मित्र पोर्टल की प्रगति की जानकारी में विलंब न हो। इस कार्य को अधिकारी, कर्मचारी प्राथमिकता दें। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती प्रियंक दास ने शुक्रवार को जनपद जौरा एवं नगर पंचायत जौरा में आधार फीडिंग कार्य का निरीक्षण करते समय दिये। इस अवसर पर एसडीएम जौरा श्री नीरज शर्मा, तहसीलदार सहित सीएमओ श्री बालकिशन गौरव उपस्थित थे। ह्यकलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास सर्वप्रथम जनपद द्वारा आधार फीडिंग का कार्य का अवलोकन किया। जिसमें उन्होंने निर्देश दिये कि प्रत्येक ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव इस कार्य को प्राथमिकता दें। एक भी परिवार के सदस्य राशन मित्र पोर्टल से आधार फीडिंग से वंचित नहीं होना चाहिये। उन्होंने कहा कि अगर लड़की की शादी मुरैना जिले में ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर हो चुकी है तो जहां उसके मायके क्षेत्र से ससुराल क्षेत्र के संबंधित जनपद सीईओ या सीएमओ को सूचित करें। अगर कोई लड़की की शादी मुरैना जिले से बाहर हुई तो उनका नाम पोर्टल से हटायें, आधार फीडिंग में न जोड़ें। इस अवसर पर उन्होंने अपने समक्ष में एक-एक परिवार के नाम पोर्टल पर देखें एवं आधार फीडिंग भी करायें। उन्होंने निचले स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिये कि शहरी क्षेत्र के वार्ड वार आवेदन एकत्रित करें। जिनके नाम आधार फीडिंग नहीं हो सके है उनकी आधार कार्ड की फोटो प्रति अवश्य लें। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने निर्देश दिये कि आधार फीडिंग का कार्य 25 अगस्त तक पूर्ण कर लें, अन्यथा संबंधित कर्मचारी पर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व विधायक ने सुनीता राठौर को 5 हजार रूपये का चैक प्रदान किया

मुरैना। प्रेमनगर मुरैना के वार्ड 47 श्रीमती सुनीता राठौर पत्नि रामू राठौर ने कलेक्टर को आवेदन प्रस्तुत किया कि सड़क दुर्घटना में मेरे पति के पैरों में फेक्चर हो गया है। इस कारण वे मजदूरी नहीं कर पा रहे है। मेरे भरण-पोषण के चलने में कठिनाई हो रही है। इसके साथ ही मैं अपने पति का ईलाज भी नहीं करा पा रही हूं। इस पर कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने 5 हजार रूपये का चैक पूर्व विधायक श्री रघुराज सिंह कंषाना के हस्ते श्रीमती सुनीता राठौर को प्रदान किया है।

हरियाली क्वीन बनी सरिता

मुरैना।ग्वालियर चंबल जोन से 2020 की हरियाली क्वीन मुरैना की सरिता जैन बनी हैं इस ऑनलाईन प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक दो के द्वारा किया गया था जिसमें ग्वालियर एवं चंबल जोन की लगभग 35शाखाओं की करीब 800महिला सदस्यों ने भाग लिया इन महिलाओं को ऑनलाइन जोड़कर ÷आया सावन झूम के÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे सभी प्रतिभागियों ने हरियाली का संदेश देते हुये अपनी प्रस्तुति दी भारतीय जैन मिलन के इस आयोजन में मुरैना की सरिता जैन को हरियाली क्वीन चुना गया,हरियाली क्वीन चुने जाने पर सरिता जैन ने कहा कि पर्यावरण को सहेजने व हरियाली के प्रति लोगो को सदैव जागरूक करती रहेगी

7 साल से फरार 2 स्थाई वारंटीयों को पोरसा पुलिस ने किया गिरफ्तार

पोरसा। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह तथा एसडीओपी अंबाह अवनीश बंसल के द्वारा जिले में चलाए जा रहे स्थाई वारंटीयों की धरपकड़ अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को मुखबिर द्वारा सूचना मिलने के बाद प्रकरण क्रमांक 151/14 मैं स्थाई वारंटी रमेश पुत्र जनक सिंह तोमर उम्र 43 वर्ष निवासी बुधारा मुखबिर द्वारा सूचना की गई की जोटई रोड से एवं 76/12 मैं स्थाई वारंटी विजय पाल सिंह उर्फ राजपाल पुत्र उदय सिंह तोमर निवासी खोड़ किर्रायच को खोड़ किर्रायच पोरसा से गिरफ्तार किया गया उक्त सराहनीय कार्य में नगर निरीक्षक अतुल सिंह उप निरीक्षक धर्मेंद्र मालवीय उप निरीक्षक पवन सिंह भदोरिया सहायक उपनिरीक्षक राजेश सिंह कुशवाह सहायक उपनिरीक्षक केशव रमन सहायक उपनिरीक्षक जी एस पाराशर आरक्षक अनिल दोहरे आरक्षक गजेंद्र लोधी आरक्षक रविंद्र बरैया आरक्षक अनिल तोमर आरक्षक नरेंद्र सिंह आरक्षक रवि यादव आरक्षक लोकेश सिंह की सराहनीय भूमिका रही पुलिस अधीक्षक के द्वारा थाना प्रभारी एवं टीम को उचित इनाम देने की घोषणा भी की गई।

मुरैना जिले की छात्रा कु. तान्या से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेस से चर्चा की

मुरैना। कलेक्टर कार्यालय में मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत मुरैना जिले के समस्त छात्र, छात्राओं के खातों में राशि सीधे भेजी गई है। माह जून, जुलाई के कुल 40 दिवस का प्रति छात्र, छात्रा प्राथमिक में 198 रूपये की दर से व माध्यमिक में 298 की दर से राशि भेजी है तथा रसोइयों को कुल मानदेय के 2 हजार रुपये की दर से 5 हजार 474 रूपये की राशि का भुगतान किया है। यह राशि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि अंतरण की है। इससे मुरैना सहित सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के छात्रों को मध्यान्ह भोजन की राशि भेजी गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस से गुरूवार को मुरैना जिले के मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय विसंगपुरा जौरा की कक्षा 7वी की छात्रा कु. तान्या पुत्री श्री वीर सिंह से चर्चा की। जिसमे मुख्यमंत्री श्री चौहान ने छात्रा से पढ़ाई के विषय मे पूछा की पढ़ाई कैसी चल रही है, जिस पर छात्रा तान्या ने बताया की मामा जी मैं मोबाइल पर ऑनलाइन पढ़ाई कर रही हूं। मुख्यमंत्री ने पूछा कि कोई समस्या आती है, तो तान्या ने बताया कि कॉल कर लेते है या टीचर घर पर आ जाते है। इस पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त कर बच्ची को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने रसोइयों से भी परिचय प्राप्त कर चर्चा की।

अम्बाह में भाजपा महिला मोर्चा की कामकाजी बैठक हुई सम्पन्न

पोरसा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला मुरैना विधानसभा उपचुनाव 2020 तैयारी के लिए महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय दीदी लता ऐलकर एवं आशा सेंगर जी,जिला अध्क्ष कंचन चौहान के आदेश अनुसार महिला मोर्चा की विधानसभा प्रभारी ममता तोमर ने अम्बाह विधानसभा के मंडल अम्बाह नगर एवम ग्रामीण अम्बाह की संयुक्त कामकाजी बैठक महिला मोर्चा की जिला अध्क्ष कंचन चौहान जी के निवास पर रखी गई जिस में जीगनी मण्डल अध्क्ष कृष्णमोहिनी परमार, मंजू चौहान ,वंदना चौहान,पुष्पा शर्मा ,अर्चना शर्मा, मीरा गुर्जर सहित महिला मोर्चा की कार्यकर्ता विशेष रुप।से उपस्थित रही।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने बाईपास रोड को तत्काल चालू कराने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से की बात

पोरसा। भारी वाहनों की शहर में अधिक आवागमन होने से क्षेत्रीय लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है समस्याओं को खत्म करने के लिए भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राम कुमार गुप्ता ने वरिष्ठ अधिकारियों से व पीडब्ल्यूडी विभाग से बात की तथा बाईपास मार्ग को मेंटेनेंस करा कर चालू किया जाए भारी वाहनों को बाईपास रोड से होकर ही निकाला जाए बीच बाजार से होकर निकलने वाली बसों को बस स्टैंड परिसर एवं गल्ला मंडी परिसर में खड़ी की जाएं बसें खड़ी ना होने से बस स्टैंड भी सुनसान पड़ा रहता है जगह जगह बाजार में बसें खड़ी होने से व्यापारी भाइयों की समस्याएं भी खत्म करने के लिए अवगत कराया गया बाजार में जगह-जगह बसों को खड़ा ना किया जाए शहर के बीचोबीच भारी बाहर निकलने से कई बार अप्रिय घटनाएं घटित हुई हैं कई लोगों की जान भी जा चुकी है हाल ही गुरुवार को एक रिटायर्ड फौजी को बस के चालक ने तेजी एवं लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई इन सभी घटनाओं से बचने के लिए भारी वाहनों का प्रवेश शहर के बीचो-बीच वर्जित किया जावे।

भाजपा की कामकाजी बैठक हुई सम्पन्न कई कार्यो की हुई चर्चा

मुरैना। भारतीय जनता पार्टी दिमनी विधानसभा के थरा मंडल के सेक्टर सांगोली की मीटिंग ग्राम मानपुर में संपन्न हुई मीटिंग में किसान कल्याण एवं कृषि विकास राज्य मंत्री माननीय गिर्राज दंडोतिया , विस्तारक बलभद्र सिंह सिकरवार , संयोजक गयाराम सिंह तोमर, जिला उपाध्यक्ष गणेश सिंह तोमर महिला मोर्चा की ज़िला अध्यक्ष श्रीमती कंचन चौहान , महिला मोर्चा जीगनी मंडल अध्यक्ष श्रीमती कृष्णमोहिनी परमार , मंडल अध्यक्ष थरा श्ब्रजमोहन सिंह तोमर ,मंडल अध्यक्ष सिहोनिया अशोक सिंह तोमर मंडल महामंत्री गीताराम सिंह तोमर , मंडल महामंत्री बृजेंद्र सिंह तोमर , सहित सभी ग्राम केंद्र पालक संयोजक एवं समस्त बूथ अध्यक्ष सहित अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित हुए

स्ट्रीट वेण्डर आत्मनिर्भर योजना से रंजीत राठौर की जिन्दगी दोबारा पटरी पर आ गई

मुरैना। मुरैना निगम के वार्ड क्रमांक-34 निवासी 36 वर्षीय श्री रंजीत राठौर पुत्र श्री भूप सिंह राठौर ने जब से होश संभाला है, तब से परिवार के भरण-पोषण के लिये किराने की दुकान लगाकर जीविका उपार्जन कर रहे थे। लेकिन बीते दिनों कोरोना महामारी के कारण उनकी आमदनी के एकमात्र जरिये

(कहानी सच्ची है)

पर भी मानो ग्रहण-सा लग गया था। लॉकडाउन के कारण दो से तीन महीने लगातार वे किराने की दुकान नहीं लगा पा रहे थे। इस वजह से उनका पूरा व्यवसाय चौपट हो गया था। कुछ समय लॉकडाउन के दो महीने बाद तो स्थिति यह हो गई थी कि परिवार के सदस्यों को थोड़े में गुजारा करना पड़ रहा था। कई बार बच्चों को दो समय की रोटी देने पर मां-बाप को भूखे पेट सोने की नौबत पड़ी थी। श्री रंजीत राठौर ऐसे समय में काफी परेशान हो गये थे। उन्हें कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि आगे उनके परिवार का क्या होगा, क्योंकि अनलॉक की प्रक्रिया प्रारम्भ होने के बावजूद उनके व्यवसाय की हालत इतनी बुरी हो गई थी कि दोबारा उसे पटरी पर लाना बहुत मुश्किल था।

ऐसे में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना के बारे में रंजीत राठौर को जानकारी मिली। उन्हें लगा कि शासन की यह योजना उनके डूबते हुए व्यवसाय के लिये कश्ती साबित हो सकती है। रंजीत ने बिना देर किये नगर निगम कार्यालय में जाकर योजना की जानकारी ली। नगर निगम द्वारा भी पूरा सहयोग करते हुए रंजीत को योजना की जानकारी दी गई तथा उनसे योजना के अन्तर्गत ऋण हेतु आवेदन प्राप्त किया गया। आवेदन करने के कुछ ही दिनों के बाद उनके खाते में 10 हजार रुपये की राशि आ गई, जिससे वे सब्जी का ठेला लगाकर अपने व्यवसाय को प्रारम्भ करने में सफल हो गये। रंजीत ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत ऋण दिये जाने पर बैंक द्वारा उनसे कोई सिक्योरिटी नहीं ली गई। इस योजना की वजह से रंजीत की बेपटरी हुई जिन्दगी दोबारा पटरी पर न केवल आई, बल्कि अब धीरे-धीरे उसने रफ्तार भी पकड़ ली है। अब किराने की दुकान से अलावा सब्जी की फेरी से रंजीत को प्रतिदिन 300 से 400 रुपये का लाभ प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना की वजह से उन्हें किसी के आगे रुपयों के लिये हाथ नहीं फैलाने पड़े। वास्तव में यह योजना आत्मनिर्भर बनने की ओर एक सहायक के रूप में साबित हुई है। रंजीत और उनके पूरे परिवार ने मुश्किल समय में साथ देने के लिये मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

अब नेल्स पर सजाएं जूलरी

अब से कुछ समय पहले तक लड़कियों के बीच नेल आर्ट बहुत पॉप्युलर था लेकिन अब उसकी जगह नेल जूलरी ने ली है. शादियों के इस मौसम में आप नेल जूलरी पहनकर सबसे अलग दिख सकती है.

क्या है नेल जूलरी ?

नेल जूलरी से आप अपने साधारण से दिखने वाले नाखूनों को अट्रैक्टिव बना सकती है. यह पूरी प्रक्रिया कम्प्यूटराइज्ड है. जिनमें नेल्स की ग्रोथ और शेप को ध्यान में रखकर ही इन्हें तैयार किया जाता है. इसके लिए कई तरह की जूलरी बाजार में आ रही है. इसलिए आप अपनी पसंद की जूलरी खरीदकर नाखून सवार सकता है. इसके लियो कॉपर, सिल्वर, गोल्ड, प्रीशस व सेमी प्रीशस स्टोन स्वारोवस्की और डायमंड का इस्तेमाल किया जाता है. अगर नाखूनों को कैजुअल ड्रेस के मुताबिक सजाना है तो आपके लिये मल्टी कलर स्टोन के ऑप्शन पर जाना बेहतर होगा. ये स्टोन्स आपकी हर तरह की ड्रेस से मैच हो जाएगें. अगर नेल्स को किसी खास फंक्शन के लिये डिजाइन करवा रहे हैं तो अपनी ड्रेस में इस्तेमाल होने वाले वर्क को भी आप इपने नेल्स पर डिजाइन करवा सकती हैं.

रिंग सेरेमनी के लिये नेल जूलरी डिजाइन करवाना चाहें, तो नाखूनों को रिंग से मैच करती जूलरी से सजाया जा सकता है. जिनके नाखून छोटे हैं, वे सिंथेटिक और एक्रेलिक नाखूनों से अपने नाखून बढ़वा भी सकती है. जूलरी लगाने से पहले ग्लिटर लगाकर इनकी खूबसूरती को बढ़ाया जा सकता है. ब्यूटी एक्सपर्ट भारती तनेजा बताती है, जूलरी डिजाइन करने के लिये किसी भी तरह की जूलरी का इस्तेमाल कर सकते है. लेकिन नाखून को खास फोकस करने के लिए डैंग्लर्स (लटकी हुई) जूलरी ज्यादा अच्छी लगती है.

कैरी करना आसान

इसे करवाने से पहले नाखूनों की बनावट पर ध्यान दिया जाता है. मेकअप और हेयर स्टाइलिस्ट आश्मीन कहती है कि नेल हार्ड हैं, तो सीधे नेल जूलरी की जा सकती है. लेकिन अगर सॉफ्ट हैं. तो पहले नेल को हार्ड किया जाता है उसके बाद उस पर जूलरी फिल की जाती है. नेल्स आर्टिफिशल हों, तो नाखून ज्यादा उभरकर आते है. इसके ऊपर नेल लगा दिया जाता है. जूलरी लगाने का तरीका सबसे पहले नाखूनों तो थीम के मुताबिक पेंट किया जाता है. उसके बाद नाखून के जिस हिस्से पर जूलरी लगानी है, वहां ड्रिलिंग की जाती है. जूलरी के साइज के मुताबिक ड्रिल किया जाता है. और फिर उस जगह पर जूलरी को फिल कर दिया जाता है. भारती कहती है इसमें ड्रीलिंग करने की सही तकनीक आनी बेहद जरूरी है, वरना जूलरी लंबे समय तक नहीं टिकेगी.

इसमें जिस जगह पर ड्रिलिंग की जाती हैं. वहां स्टोन को सीलर की मदद से चिपका दिया जाता हैं. इसमें स्पेशल गोल्डन तारों का इस्तेमाल किया जाता है.

बजट में समाए

नेल जूलरी करवाते समय आप अपने बजट के मुताबिक जैसा स्टोन चाहे इस्तेमाल कर सकती है. इन दिनों रूबी, नीलम, पन्ना आदि खूब ट्रेंड में है.

जिंदादिली से जिएं

- खुद पर यकीन करना सीखें। कभी भी इन भावनाओं को मन में न आने दें कि कोई काम ठीक से नहीं होता या मैं अकेली हूं और कैसे इतने कामों को पूरा कर पाऊंगी।
- अकेली हैं, इसलिए कामों को आधाअधूरा कर दूसरों को अपनी आलोचना करने का मौका न दें। इस से आप का आत्मबल टूटेगा।
- टाइम मैनजमेंट के अनुसार अपने निर्धारित कार्यों को समय पर पूरा कर अपनी लेटलतीफी या थकेली वाली इमेज को बदल लें।
- जहां तक हो सके अपने सारे काम खुद करें। आत्मनिर्भर बनें। इस से आप में आत्मविश्वास बना रहेगा और आप स्वावलंबी बनेंगी।

खरीदारी के समय सावधानी बरतें

- अगर पैकेट फूला हुआ है तो इसका अर्थ है कि इसमें पैक की हुई सामग्री सुरक्षित तापमान पर न रखने के कारण खराब हो रही है। मगर आजकल नाइट्रोजन से भरे चिप्स के पैकेट बाजार में मिल रहे हैं, जो सुरक्षित है।
- फूले हुए या चिपके हुए पैकेटों की डब्बाबंद चीजें नहीं खरीदनी चाहिए क्योंकि इसमें छोटे सुराख होने की संभावना होती है, जिससे जीवाणु घुस कर खाद्यपदार्थ को खराब कर देते हैं।
- जब भी डेयरी उत्पाद जैसे दूध, दही, चीज, पनीर और मक्खन खरीदें तो परख लें कि वह ठंडे तापक्रम यानी फ्रिज में रखा हुआ है या नहीं।
- फ्रीजर में रखी हुई चीजें जैसे कटी हुई सब्जियां, पनीर, या मांस के पैकेटों में यदि बर्फ के ढेले बने हुए हों तो इस का अर्थ है कि इसे पिघलने के बाद फिर से फ्रीजर में रखा गया है। यह पानी खाद्यपदार्थ के अंदर से आता है इससे उत्पाद की गुणवत्ता में फर्क आता है।
- पैकेट फटा हुआ हो या सील ठीक से न लगी हो तो खाद्यपदार्थ के गुणों में कमी आती है।
- डब्बाबंद जूस, मसाले, सौफ्ट ड्रिंक्स वगैरह का उपयोग करने का समय खत्म होने वाला हो तो उन्हें न खरीदें।

ठीक से परख करें

- ट्रांसपेरेंट प्लास्टिक के पैकेट में पैक किए हुए सामान्य में फफूंद की जांच करना आसान होता है। उस में हरे रंग की फफूंद आसानी से देखी जा सकती है।
- बेक किए हुए उत्पाद जैसे बिस्कुट, रस्क में चूरे की मात्रा और फफूंद की जांच करनी चाहिए।
- उन्हीं पैक की हुई चीजों को खरीदें जिन पर उन के सही भंडारण का तरीका और उपयोग में लाई गई सामग्री भार के अनुसार ज्यादा से कम के क्रम में लिखी हो।
- प्रत्येक पैकेट पर निर्माता और पैक करने वाली कंपनी का पता लिखा होना चाहिए।
- उत्पाद के शाकाहारी या मांसाहारी होने का उल्लेख पैकेट पर जरूर होना चाहिए।

सावधानी रखें

- जल्द खराब होने वाली खानेवाली की चीजें, जितनी जरूरत हो उतनी ही खरीदें।

शीत ऋतु में....

शीत ऋतु में शीत से बचकर रहने के लिए आपको विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। सीत से बचाव बहुत जरूरी है। इन दिनों त्वचा में खुश्की आ जाना आम बात हैं। इन कोहरे व ठंड में जब भी घर से निकलें, मॉइश्चराइजर का प्रयोग अवश्य करें ताकि त्वचा में खुश्की न रहे। इस ऋतु में खान-पान का भी ध्यान रखकर स्वास्थ्य व सौंदर्य को बरकरार रखा जा सकता है।

- पर्याप्त पानी का सेवन करें।
- सर्दी का असर होने पर गुनगुने पानी का सेवन लाभकारी है।
- नाभि पर सरसों का तेल प्रतिदिन लगाने से खुश्की से बचा जा सकता है। होंठ भी नहीं फटेंगे।
- होंठों का सौंदर्य बनाए रखने के लिए दूध की मलाई का प्रयोग कर सकते हैं।
- इन दिनों ब्याह-शादी में कोल्ड ड्रिंक्स व आईसक्रीम का चलन आम है, इनके सेवन में सावधानी बरतें।
- दिन में सोने की अनदेखी करें।
- शरीर पर सप्ताह में एक बार तेल मालिश जरूर करें।
- प्रातः कालीन भ्रमण के समय पैरों में जूते पहने व सिर जरूर ढंक कर रखें।
- सांस के रोगी सर्दी में घूमने से बचें।
- नहाने में गुनगुने पानी का प्रयोग करें तो ज्यादा अच्छा रहेगा।
- यदि आपके कमरे में धूप न आती हो तो सप्ताह में एक-दो बार गर्म कपड़ों (रजाई-गद्दों) को धूप में रखते रहें।
- खानपान का ध्यान रखें।
- गैर-मौसमी खान-पान की अनदेखी करें।
- ड्राईफ्रूट्स का सेवन लाभकारी है।
- गाजर और टमाटर का भरपूर सेवन स्वास्थ्य व सौंदर्य में वृद्धि करेगा।

मिर्ची–कचोरी चाट

सामग्री : 100-100 ग्राम बेसन और चने की दाल, चुटकीभर सोडा, 12 बड़ी मिर्ची, 2 टेबलस्पून हरी धनिया, पुदीना, हरी मिर्च का पेस्ट, नमक स्वादानुसार, 1-2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला, मीठी और हरी चटनी, थोड़ा-सा दही।

विधि : चने की दाल को घंटे भर के लिए भिगों दें। फिर मिक्सर में पीसकर नमक व हरी मिर्च मिलाकर इसकी कचोरी बना लें। इसे धीमी आंच पर अधपका तलें। फिर दोबारा तेज आंच पर तलें। मिर्ची को बेसन के घोल में डुबोकर अधपका तलकर निकाल लें। फिर दोबारा तेज आंच पर तल लें। मिर्ची के तीन टुकड़े कर लें, प्रत्येक कचोरी के दो टुकड़े कर लें। प्लेट में कचोरी और मिर्ची को सजाकर मीठी चटनी, हरी चटनी और चाट मसाला डालें। फिर ऊपर से दही, हरी धनिया, लाल मिर्च पाउडर और चाट मसाला डालकर सर्व करें।

बी यंग 5 फूड हैबिट्स

हमें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, इस पर बहस सालों से चली आ रही है। इससे भी ज्यादा 'हॉट टॉपिक' यह रहता है कि खाने की कौन-कौन सी चीजें हमें युवा बनाए रखने में सहायक होती हैं। सच तो यह है कि हम में से अधिकतर लोगों को कुछ खास खाने की चीजों को लेकर भ्रम बना रहता है। कुछ सोचते हैं कि हमें चॉकलेट नहीं खानी चाहिए तो कुछ का सोचना है कि हमें चॉकलेट जरूर खानी चाहिए। अधिकतर लोग वाइन के सेवन को गलत मानते हैं जबकि फूड साइंस कुछ और ही कहता है। आइए जानते हैं, कुछ ऐसे फूड्स को, जो हमें हेल्दी रखने के साथ ही यंग बनाए रखने में सहायक होते हैं -

दही : इसमें कैल्शियम खूब होता है, जिसमें ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखने की क्षमता होती है। इसमें 'गुड बैक्टीरिया' होता है, जो हमें स्वस्थ बनाए रखता है और उम्र से जुड़ी इंटेस्टाइनल बीमारियों को खत्म करता है।

चॉकलेट : कोकोआ से बनी चीजों को खाने से दिल की बीमारी होने की आशंका कम रहती है, कई शोधों से यह तथ्य स्पष्ट हो चुका है। कोकोआ में फ्लैवेनल्स होता है, जो ब्लड वेसल्स की कार्यप्रणाली को स्वस्थ बनाए रखता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर का रिस्क कम रहता है, टाइप 2 डायबिटीज, किडनी का रोग और डमेंशिया के होने की आशंका कम होती है।

ऑलिव ऑयल : सालों पहले ही यह पता चल गया था कि इसमें बसा मोनोसैचुरेटेड फैट दिल की बीमारी और कैंसर को दूर रखता है। अब के शोधों से यह पता चला है कि ऑलिव ऑयल में पोलीफेनोल्स, एंटिऑक्सिडेंट भी होता है, जो उम्र से जुड़े रोगों को दूर रखता है।

नट्स : कुछ अध्ययन बताते हैं कि जो लोग नट्स खाते हैं, वे ढाई साल ज्यादा जीते हैं। इसमें अनसैचुरेटेड फैट होता है, जिससे वही लाभ होता है जो ऑलिव ऑयल के सेवन से होता है। ये विटामिन, मिनरल और एंटिऑक्सिडेंट्स सहित अन्य फाइटोकेमिकल्स के मुख्य स्रोत होते हैं।

वाइन : सही और सीमित मात्रा में अल्कोहल का सेवन दिल की बीमारी, डायबिटीज और उम्र से होने वाली याददास्त की बीमारी से छुटकारा दिलाता है। कहा जाता है कि किसी भी तरह के अल्कोहल के सेवन से यह लाभ मिलते हैं लेकिन रेड वाइन ही इस तरह के अध्ययन का केंद्र रही है। इसमें रेस्वैरैटल होता है, जिससे इस तरह के लाभ होते हैं। साथ ही जानवरों पर हुए शोध बताते हैं कि इसके सेवन से वह जीन्स एक्टिवेट होते हैं, जो बुढ़ापा कम कर सकते हैं।

हेल्थ प्लस

केला, सेब खाओ याददाश्त बढ़ाओ

सेब, संतरा और केला खाओ और सेहत बनाओ...यह बात आपने काफी सुनी होगी। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि सेहत के अलावा इन फलों के सेवन से दिमाग भी स्वस्थ रहता है, लोगों की याददाश्त बढ़ती है और कैंसर के उपचार में भी लाभदायक होते हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक अध्ययन के बाद इस तथ्य का खुलासा किया है। 'मेडिकल न्यूज टूडे' के ऑनलाइन संस्करण पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयार्क के 'कार्नेल विश्वविद्यालय' और दक्षिण कोरिया के विभिन्न विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस बाबत एक अध्ययन किया था। अध्ययन के तहत वैज्ञानिकों को ज्ञात हुआ कि इन तीनों फलों से निकलने वाले रसायनिक मिश्रण कैंसर सेल्स की वृद्धि को रोकने में सहायक होते हैं।

मां का दूध बचा सकता है बच्चें की जान

अगर बच्चों को जन्म लेने के एक घंटे के भीतर मां का दूध पिलाया जाए तो शिशु मृत्यु-दर में 22 फीसद की कमी लाई जा सकती है। अकेले भारत में ही इससे हर साल 2 लाख 50 हजार बच्चों की जान बचाई जा सकती है। यूनिसेफ के कार्यकारी निदेशक एनएम वेनमैन का कहना है कि मां के दूध में सर्वोत्तम पोषक आहार और जबरदस्त रोग प्रतिरोधक क्षमता भी होती है। इसके अलावा यह बात भी वैज्ञानिक तरीके से साबित हो गई है कि मां का दूध बच्चे के मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए उत्तम होता है।

उन्होंने कहा कि इसके बावजूद बड़ी संख्या में नवजात शिशुओं को मां का दूध नहीं मिल पाता। ऐसे में कई बच्चे विभिन्न बीमारियों के शिकार होकर समय से पहले ही मर जाते हैं। वेनमैन ने कहा कि इस वर्ष एक अगस्त से सात अगस्त तक मनाए जाने वाले विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम 'ब्रेस्ट फीडिंग: द फर्स्ट आवर सेव वन मिलियन बेबीज' रखी गई है। उन्होंने कहा कि यह थीम नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिए विश्व समुदाय का ध्यान आकर्षित करने का एक बेहतर अवसर है। अगर 90 फीसद शिशुओं को जन्म के एक घंटे के भीतर मां का दूध मिलता है तो इससे शिशु मृत्यु-दर में 22 फीसद की कमी आ सकती है। यूनेस्को और विश्व स्वास्थ्य संगठन के इस अभियान से जुड़े 'इंटरनेशनल बेबीफूड एक्शन नेटवर्क' 'आईबीएफएएन' के एशिया क्षेत्र के समन्वयक डा. अरूण गुप्ता ने बताया कि जागरूकता के अभाव में अक्सर नवजात शिशुओं को मां का दूध नहीं मिल पाता। ऐसे में बच्चों का विकास बाधित होता है।

उन्होंने 'यूनिसेफ 2007' की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि भारत में हर साल करीब 2.5 करोड़ बच्चों का जन्म होता है। इनमें से 10.9 लाख बच्चों की पांच साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते मृत्यु हो जाती है। इन बच्चों में से 10.4 लाख बच्चे सिर्फ एक साल की उम्र में ही दम तोड़ देते हैं। अगर नवजात शिशुओं के पोषण पर समुचित ध्यान दिया जाए, तो मौत का यह आंकड़ा काफी हद तक घटाया जा सकता है। डा. गुप्ता के अनुसार देश में केवल 23.4 फीसद नवजात शिशु ही जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान करते हैं। कुपोषण और बाल मृत्यु-दर से निपटने के लिए स्तनपान की आर पूरी तरह ध्यान देना होगा।

जहर से भरा है आपका मेकअप बॉक्स!

स्त्रियों में बचपन से लेकर बुढ़ापे तक सजने-संवरने का जन्मजात गुण है। यह विशेषता कुदरत ने उन्हें तोहफे में दी है और यही उनकी कमजोरी भी है। महिलाओं की इसी कमजोरी को सौंदर्य सामग्री बनाने वाली दुनिया भर में फैली कंपनियां भुना रही हैं। हालांकि हाल ही में छपी एक तथ्यपरक किताब में खूबसूरती निखारने वाले उत्पादों के स्याह पक्ष को प्रस्तुत किया गया है। इसमें लेखक ने यह भी बताया है कि हर्बल चीजें सौंदर्य बढ़ाने के साथ निरापद भी हैं।

तमाम तरह के दावे करने वाली इन कंपनियों के उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में दिखाए जाने वाले विज्ञापनों की चकाचौंध में आंखें बंदकर महिलाएं उन्हें खरीदने में देर नहीं लगातीं। सौंदर्य प्रसाधन बनाने वाली कंपनियों का कारोबार कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अकेले ब्रिटेन में ही कास्मेटिक और सुगंधित चीजों के निर्माण में लगी कंपनियों का कारोबार प्रतिवर्ष 650 करोड़ पौंड से अधिक का है। खोजी पत्रकार डान मेलोशिप की नई किताब 'टॉक्सिक ब्यूटी' में कास्मेटिक वस्तुओं के पीछे की हकीकत से रूबरू कराया गया है। डान कहते हैं कि सौंदर्य प्रसाधन की जगमगाती बोतलों और ट्यूब के अंदर खतरनाक किस्म के जहर भरे होते हैं जो विभिन्न तरह की गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। खूबसूरत बनाने के नाम पर कास्मेटिक चीजों में मिलाए गए रसायन एलर्जी से लेकर कैंसर जैसे गंभीर रोग पैदा करते हैं।

डान के अनुसार बालों को रंगने वाली डाई में प्रयुक्त किए जाने वाले रसायनों से त्वचाशोथ (एक तरह का एक्जिमा) हो जाता है। बालों को स्थायी रूप से रंगने वाली डाई में प्रयोग किया जाने वाला पैरा फिनाइलीन डाइअमीन (पीपीडी) त्वचा के संपर्क में आकर एलर्जी और एक्जिमा को जन्म देता है। पीपीडी अभी तक ब्रिटेन और अमेरिका में धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। जबकि जर्मनी में बालों की डाई में इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा हुआ है। फ्रांस और स्वीडन में कई साल पहले ही स्वास्थ्य पर पड़ने वाले इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताया जा चुका है।

डान की किताब में छपी रिपोर्ट के अनुसार क्लीजनर, शैंपू, बब्बल बाथ और टूथपेस्ट में भी एक खतरनाक रसायन सोडियम लाराइल सल्फेट (एसएलएस) इस्तेमाल किया जाता है। जो त्वचा के साथ ही आंखों के लिए भी नुकसानदायक है। नेल पालिश में प्रयोग किए जाने वाला फार्मोल्डिहाइड और टेल्कम पाउडर में इस्तेमाल होने वाला 90 प्रतिशत खनिज टाल्क भी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंचाता है। डियोडोरेंट में प्रयुक्त रसायन से स्तन कैंसर तक हो सकता है।

डान के अनुसार हमें कास्मेटिक वस्तुओं के बजाय शुद्ध वनस्पति से बनी सामग्री का इस्तेमाल करना चाहिए। जैसे बालों को रंगने के लिए मेहंदी का प्रयोग किया जाना चाहिए। इसके अलावा भी अन्य बहुत सी वनस्पतियां हैं जो दूसरी खूबसूरती बढ़ाने वाली कास्मेटिक सामग्री का बेहतर विकल्प बन सकती है।

फ्लू हो या अल्कोहल, नुकसान समान

सिर्फ शराब पीकर ही गाड़ी चलाना खतरनाक नहीं बल्कि सर्दी एवं फ्लू की अवस्था में गाड़ी चलाना भी उतना ही खतरनाक होता है। एक नए शोध से इस तथ्य की पुष्टि होती है। इस शोध में पाया गया कि सर्दी व फ्लू के कारण सिर भारी होने, नाक बहने, छींक आने या पूरी तरह चौकस नहीं रहने आदि लक्षणों से हमारी ड्राइविंग क्षमता पर वैसा ही असर पड़ता है जैसा कि अल्कोहल के सेवन से। ब्रिटेन में 2008 में हुई दस में से एक दुर्घटना सर्दी या फ्लू के कारण हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, जाड़े के मौसम में जब सर्दी या फ्लू महामारी का रूप ले लेती है, उस समय इसके कारण होने वाली दुर्घटना बढ़ जाती है।

ब्रिटेन की लॉयड्स टीएसबी बीमा कंपनी द्वारा कराए गए शोध में तनाव, सिरदर्द, सर्दी या फ्लू एवं अन्य ऐसी ही स्वास्थ्य अवस्थाओं से गुजर रहे 102 ड्राइवरों पर अध्ययन किया गया। 'हेजार्ड सिमुलेटर टेस्ट' में तनाव व सिरदर्द आदि से गुजर रहे ड्राइवरों का चौकन्नापन एवं प्रतिक्रिया करने आदि के मामले में स्कोर सामान्य ड्राइवरों की तुलना में चार अंक नीचे रहा जबकि सर्दी एवं फ्लू से ग्रस्त ड्राइवरों का प्रदर्शन स्वस्थ ड्राइवरों की तुलना में 11 अंक नीचे रहा। ऐसा स्कोर वैसे ड्राइवरों की होती है जिस पर ड्राइविंग से पहले डबल व्हीस्की का नशा चढ़ा हो। ऐसे स्पष्ट खतरे के बावजूद समस्या के प्रति लोगों में जागरूकता बहुत कम पाई गई। 38 फीसद ड्राइवरों ने बताया कि सर्दी एवं फ्लू से ग्रस्त होने के बावजूद गाड़ी ड्राइव करते रहे हैं।

तकरीबन आधे ड्राइवरों का कहना था कि ऐसी बीमारियों का उनकी ड्राइविंग क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। बीमा कंपनी की प्रवक्ता पाउला लेवलीन ने कहा कि हमारे द्वारा कराए गए इस शोध से यह प्रमाणित होता है कि बीमारी की अवस्था में गाड़ी चलाने से प्रतिवर्ष हजारों मौतें होती हैं। डॉ. डॉन हार्पर ने कहा कि ड्राइवरों के प्रदर्शन पर पड़ने वाला प्रभाव वैसा ही होता है जैसा कि अल्कोहल के दो यूनिट (या खून में अल्कोहल की मात्रा 0.05-0.075 मिलीग्राम/100 एमएल होने से) से पड़ता है। उन्होंने बताया कि सुरक्षित ड्राइविंग के लिए एकाग्रता एवं त्वरित प्रतिक्रिया का होना आवश्यक है और यह दोनों ही हल्की सर्दी या फ्लू से भी काफी घट जाती है।

सीएसके में हैं सभी कप्तान : रैना

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा है कि उनकी टीम सीएसके में सभी खिलाड़ी कप्तान महेन्द सिंह धोनी की तरह ही कप्तान हैं। आईपीएल इस साल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक आयोजित किया जाएगा। रैना ने कहा, %हमारी टीम में हर कोई कप्तान है। धोनी के अलावा इस टीम में ड्वेन ब्रावो, फैफ डुप्लेसी, अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ये सभी कप्तान रहे हैं। मैंने भी भारत और आईपीएल दोनों की कप्तानी की है। मुझे लगता है कि हमारे पास 11 कप्तान हैं, पर राजा शीर्ष पर बैठा है, जो स्टंप्स के पीछे से सबका मार्गदर्शन करता है।% उन्होंने कहा, %इसलिए इस फ्रैंचाइजी के आसपास रहना शानदार अनुभव है। उस पर हमारे पास दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज और कप्तान फैफ डुप्लेसी हैं, स्टीफन फ्लेमिंग हैं, जो न्यूजीलैंड के सबसे अच्छे कप्तान रहे हैं। माइकल हस्सी हैं, मैथ्यू हेडन हैं, जिन्होंने आईपीएल में अपना दबदबा कायम किया है। ये लोग युवा खिलाड़ियों का भी मार्गदर्शन करते हैं।

धोनी, रोहित भी आईपीएल के लिए यूएई रवाना हुए

चेन्नई। कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी सहित चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम आईपीएल के 13 वें सत्र के लिए शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिए रवाना हुई। इस दौरान धोनी की एक झलक पाने के लिए प्रशंसक एयरपोर्ट में पहुंच गए। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। धोनी सहित सीएसके की टीम पीली टी-शर्ट और ट्राउजर में नजर आई, इस दौरान सभी क्रिकेटरों ने मास्क लगा रखे थे पर किसी ने भी किट नहीं पहनी थी। वहीं दूसरी ओर मुम्बई इंडियंस टीम भी कप्तान रोहित शर्मा के साथ रवाना हुई। रोहित के साथ उनकी पत्नी रितिका सजदेह और बेटी समायरा भी थी। रोहित और रितिका ने इस दौरान पीपीई किट पहनी हुई थी।

अमेरिकी ओपन में नहीं खेलेंगे ब्रायन बंधु

न्यूयार्क । अमेरिका के बॉब और माइक ब्रायन बंधु इस साल अमेरिकी ओपन टेनिस के पुरूष युगल वर्ग में नजर नहीं आयेंगे। इससे माना जा हरा है कि ब्रायन बंधु का कैरियर समाप्त होने की ओर है। सोलह बार के ग्रैंडस्लैम विजेता ब्रायन बंधुओं ने न्यूयार्क में पांच ग्रैंडस्लैम जीते जिनमें आखिरी बार 2014 में जीत मिली थी। वहीं माइक ने जैक सोक के साथ 2018 में खिताब जीता। वहीं अमेरिकी टेनिस संघ ने महिला और पुरूष युगल वर्ग की वरीयता की घोषणा की है। इसमें तीन बार की चैम्पियन किम क्लाइटजर्स को युगल में वाइल्ड कार्ड दिया गया है। अमेरिकी ओपन 31 अगस्त से एकल मुकाबलों के साथ शुरू होगा। वहीं युगल मुकाबले दो सितंबर से खेले जायेंगे। इस बार कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए 64 की जगह 32 टीमों को ही प्रवेश दिया गया है। इन खेलों के दौरान दर्शकों को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

'कल्चर कैंप में भाग नहीं लेंगे संक्रमित खिलाड़ी : दक्षिण अफ्रीका

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड के अनुसार पुरूष क्रिकेट टीम के दो खिलाड़ी कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाये गए और इस कारण विशेष तौर पर आयोजित 'कल्चर कैंप% में भाग नहीं ले सकेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि इन खिलाड़ियों के नामों का खुलासा नहीं किया है। बोर्ड ने कहा, 'दो खिलाड़ी कोरोना जांच में पॉजिटिव पाए गए हैं जिनके विकल्प की घोषणा नहीं की गई है। जो शिविर में भाग नहीं ले पा रहे वे ऑललाइन ही इससे जुड़ेंगे।% इन दोनों खिलाड़ियों को पृथकवास में भेज दिया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसए ने कुकुजा में 18 से 22 अगस्त तक टीम के शिविर से पहले 50 खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के टेस्ट कराये थे। इसमें 32 खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

हॉकी इंडिया के हाई परफोरमेंस निदेशक जॉन ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया के हाई परफोरमेंस निदेशक डेविड जॉन ने इस्तीफा दे दिया है। उनका हॉकी इंडिया के साथ सितंबर 2021 तक के लिए करार था। माना जा रहा है कि राष्ट्रीय महासंघ के शीर्ष अधिकारियों से मतभेदों के कारण ही ऑस्ट्रेलिया के जॉन ने इस्तीफा दिया है। भारतीय खेल प्राधिकर (साई) ने कुछ समय पहले ही जॉन का अनुबंध सितंबर 2021 तक बढ़ा दिया था पर उन्होंने अपनी उपेक्षा का आरोप लगाते हुए पद छोड़ दिया। वहीं जॉन ने हॉकी इंडिया और साई को दिये अपने इस्तीफे में अपने फैसले के लिये व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। हॉकी इंडिया ने उनका इस्तीफा पत्र स्वीकार कर लिया है पर इसपर अभी साई को अंतिम फैसला लेना है। कहा जा रहा है कि जॉन अहम फैसलों के लिए अपनी अनदेखी से निराश थे। उन्हें टीम को लेकर किसी भी फैसले में शामिल नहीं किया जा रहा था। वह केवल कोचों और खिलाड़ियों के लिये ऑनलाइन क्लास तक ही सीमित रह गये थे। जॉन मार्च के बाद से ही कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए लगे लॉकडाउन के कारण अपने घर से ही काम कर रहे थे। वह साल 2011 से भारतीय हॉकी से जुड़े थे, जब उन्हें मुख्य कोच माइकल नोब्स के साथ पुरूष टीम के फिजियो के तौर पर नियुक्त किया गया था। भारतीय टीम के फिटनेस का स्तर बेहतर करने के लिए उन्हें जाना जाता है। जॉन ने लंदन ओलंपिक 2012 के बाद इस्तीफा दे दिया था पर साल 2016 में हाई परफार्मेंस निदेशक बना दिया गया था।

आईपीएल के लिए शारीरिक और मानसिक सेहत पर ध्यान दे रहे रहाणे

मुंबई। अगले माह 19 सितंबर से यूएई में होने वाले आईपीएल के 13 सत्र के लिए सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी तैयारियों में लगे हैं। जहां दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे अपनी शारीरिक और मानसिक सेहत पर ध्यान दे रहे हैं, वहीं इसी टीम के पृथ्वी शॉ का पूरा ध्यान अभ्यास पर है। दिल्ली कैपिटल्स टीम के खिलाड़ी मुंबई पहुंच गए हैं और रविवार को यूएई के लिए रवाना होंगे। रहाणे ने कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं कि कोरोना महामारी को देखते हुए यह चुनौतीपूर्ण दौरा होगा। पिछले कुछ महीने मैंने भी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दिया है। इस दौरान परिवार के साथ समय बिताने से काफी सकारात्मक ऊर्जा भी मिली। इस बार के आईपीएल का अनुभव अलग तरह का होगा और हमें सकारात्मकता बनाए रखनी होगी।

कोरोना के कारण राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह वर्चुअल होगा

नई दिल्ली। कोरोना महामारी को देखते हुए इस बार 29 अगस्त को होने वाला राष्ट्रीय खेल पुरस्कार कार्यक्रम %वर्चुअल% होने की पूरी संभावनाएं हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित ऐथलीट, कोच और अन्य विजेता अगले सप्ताह शनिवार को नजदीकी राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में एकत्र होने के बाद राष्ट्रपति भवन से लाइव जुड़ेंगे। इस समारोह का दूरदर्शन पर भी सीधा प्रसारण किया जाएगा। खेल रत्न के लिए नीला ब्लेजर और अर्जुन अवॉर्ड के लिए लाल ब्लेजर उनके पदकों के साथ खेल रत्न विजेताओं और अर्जुन अवॉर्ड विजेताओं के लिए कांस्य मूर्तियों को समारोह से पहले दे दिया जाएगा। समारोह के दिन विजेता अपने नजदीकी साई सेंटर पर एक सामान्य हॉल में बैठे होंगे। समारोह के लिए कुल 16 साई सेंटर की पहचान की गई है और हर सुविधा केन्द्र में डीडी कैमरा वाले लोग होंगे। वहीं राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद राष्ट्रपति भवन से वर्चुअल तौर पर साई सेंटर से जुड़ेंगे। पुरस्कार पाने वालों के नाम बोले जाएंगे और उनकी उपलब्धियों की लिस्ट वाला एक प्रशस्ति-पत्र स्लाइड के जरिये सामने आयेगा।

कोलोन जर्मनी में फुटबॉल क्लब इंटर मिलान के मुख्य कोच एंटोनियो कोंटे अभ्यास सत्र में छलांग लगाते हुए।

ह्यूंदै कोना की 1 हजार किमी से ज्यादा की रेंज

नई दिल्ली । कार बनाने वाली कंपनी ह्यूंदै की इलेक्ट्रिक कार ह्यूंदै कोना ने रेंज के मामले नया रेकॉर्ड बनाया है। सिंगल चार्ज में ह्यूंदै कोना ने 1 हजार किमी से ज्यादा दूरी तय की। कंपनी ने जर्मनी में तीन कोना कारों की एसयूवी की टेस्टिंग 3 दिन तक की। तीनों कारों ने क्रमशः 1,018.7किमी, 1,024.1किमी और 1,026किमी की दूरी तय की। टेस्टिंग में इस्तेमाल किए गए तीनों मॉडल्स को मोडिफाई नहीं किया गया था। इस टेस्ट के साथ ह्यूंदै ने इलेक्ट्रॉनिक कार सेगमेंट में नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है जिससे दूसरी कंपनियों के लिए नई चुनौती सामने आई है। कंपनी ने जर्मनी में इस टेस्ट का आयोजन किया। टेस्ट के दौरान ज्यादा माइलेज के लिए इन कारों के एयर कंडिशनर और एंटरटेंटमेंट सिस्टम बंद रखे गए। टेस्टिंग के दौरान कार की डेटाइम रनिंग लाइट ऑन रखी गई। तीन दिन तक चले इस टेस्ट में 36 ड्राइवर्स का इस्तेमाल किया गया। ह्यूंदै कोना इलेक्ट्रिक को पहली बार मार्च 2018 में लॉन्च किया गया था।

रुपया 11 पैसे चढ़कर 74.91 पर पहुंचा

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख और घरेलू शेयर बाजार में तेजी के कारण शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे चढ़कर 74.91 के स्तर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 74.96 के स्तर पर खुला और आगे बढ़त दर्ज करते हुए 74.91 के स्तर पर आ गया, जो पिछले बंद के मुकाबले 11 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 75.02 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और कमजोर अमेरिकी मुद्रा ने रुपए का समर्थन किया।

मजबूती के साथ खुले बाजार

सेंसेक्स 38,500 और निफ्टी 11400 के पार

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से शुक्रवार के कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स में करीब 310 अंकों की तेजी देखने को मिल रही है। दिग्गज शेयरों के साथ ही मिडकैप शेयरों में भी तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.06 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। स्मॉलकैप शेयरों में भी खरीदारी नजर आ रही है। बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 1.13 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। तेल-गैस शेयरों में भी आज कमजोरी नजर आ रही है। बीएसई का ऑयल एंड गैस इंडेक्स 0.92 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स करीब 325 अंक की तेजी के साथ 38,545 के आसपास कारोबार कर रहा है। वहीं एनएसई का 50 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स निफ्टी करीब 95 अंक की तेजी के साथ 11410 के आसपास कारोबार कर रहा है। पिछले सत्र में सेंसेक्स 394.40 अंक की गिरावट के साथ 38,220.39 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 96.20 अंक की गिरावट के साथ 11,312.20 पर बंद हुआ।

ग्वालियर ने 13 वां स्थान प्राप्त किया

स्वच्छ भारत मिशन में अब हमारी कोशिश टॉप 10 में आने की : ओझा-माकिन

ग्वालियर। भारत सरकार द्वारा संचालित स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में देश भर के 4242 नगरीय निकायों में दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में नगर निगम ग्वालियर ने 13 वां स्थान प्राप्त किया है। इससे पहले गत वर्ष 2019 के लिये हुये सर्वे के बाद नगर निगम ग्वालियर को स्वच्छ सर्वेक्षण में 59 वां स्थान प्राप्त हुआ था। नगर निगम अब स्वच्छ सर्वेक्षण में टॉप 10 में आने के लिये पुरजोर कोशिश करेगा। उक्त जानकारी आज पत्रकारों को देते हुए संभागायुक्त एवं नगर निगम प्रशासक एमबी ओझा , नगर निगम आयुक्त संदीप माकिन ने बताया कि नगर निगमों को समस्त श्रेणियों में कुल 6000 अंकों में से 4696.36 अंक प्राप्त हुये थे। निगमायुक्त ने बताया कि नगर निगम ग्वालियर को स्टार रेटिंग और ओडीएफ डबल प्लस में थ्री स्टार रेटिंग एवं ओडीएफ डबल प्लस प्राप्त हुआ है। जिसके लिये निकाय को 1500 में से 1100 अंक मिले। वहीं नागरिक प्रतिक्रिया जिसमें निगम क्षेत्र के 1,16 694 नागरिकों ने विभिन्न माध्यमों से अपनी राय रखी इसके लिये 1500 अंकों में से

1250 अंक मिले। वहीं दस्तावेजी एवं मासिक एमआईएस में भी 1500 में से 1150 अंक मिले हैं। इन सबके बाद भी प्रत्यक्ष अवलोकन में स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 के तहत निगम ग्वालियर द्वारा शहर में शहरी विकास मंत्रालय द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार विभिन्न कार्य किये गये जिसमें कचरे का संग्रहण एवं प्रसंस्करण , सी एंड डी कचरे का प्रसंस्करण , बरा स्थित डंप साईट का रेमेडीएशन , शहर का सौन्द्रीयकरण, फीकल स्लज का ट्रीटमेंट आदि कार्य शामिल हैं। इन समस्त कार्यों का भारत सरकार द्वारा अधिकृत एजेंसी के माध्यम से प्रत्यक्ष अवलोकन किया इसमें से भी 1500 अंकों में से 1196.36 अंक मिले। निगमायुक्त संदीप माकिन ने बताया कि अब निगम निगम ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 की तैयारियां शुरू कर दी है। अब उनका लक्ष्य टॉप 10 या इससे भी टॉप 5 में आने का है। साथ ही निकाय द्वारा वाटर प्लस एवं 7 स्टार रेटिंग की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। निगमायुक्त ने बताया कि निगम द्वारा किये गये कार्यो से प्रदूषण का स्तर जो 570 के आसपास हुआ करता था अब 80 के आसपास आ गया है। उन्होंने बताया कि रात्रि में स्वीपिंग मशीन द्वारा की जा रही सफाई , सडकों को वॉल टू वॉल तक मिलान करने से भी गंदगी और धूल आदि की कमी भी इस सर्वेक्षण में सहायक बनी। इसके लिये कचरा संग्रहण एवं प्रसंस्करण , निर्माण एवं विध्वंश कचरे का निपटान , बरा डंप साइट का निपटान , आरईसी गतिविधियां , शहरी सौन्द्रीयकरण सहायक बना।

मनरेगा की समीक्षा बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने दिए निर्देश

लेबर बजट के अनुसार हर जरूरतमंद श्रमिक को रोजगार मुहैया कराएँ

ग्वालियर। लेबर बजट के तहत हर ग्राम पंचायत की कार्ययोजना में शामिल कार्यों के माध्यम से जरूरतमंद श्रमिकों को रोजगार मुहैया कराएँ। साथ ही श्रमिकों के मस्टर रोल भी तत्परता से जारी करें, जिससे उन्हें समय पर मजदूरी का भुगतान हो सके। इस आशय के निर्देश महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत चल रहे रोजगारमूलक कार्यों की समीक्षा के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने जिले की सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक यंत्री व उपयंत्रियों को दिए। यहाँ जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक में श्री वर्मा ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि मनरेगा के तहत चल रहे अधूरे कार्यों को तेजी से पूर्ण कराएँ। साथ ही जो कार्य पूरे हो चुके हैं उनके पूर्णता प्रमाण-पत्र भी जारी करें। उन्होंने मनरेगा के तहत विशेष पद्धति से लुप्त प्रजाति के पौधों को बचाने के लिये सामुदायिक सघन वृक्षारोपण करने के निर्देश भी दिए। साथ ही शासकीय भवनों के चारों ओर जैविक बांगड लगाई जाएं। अर्थात सहजना, आंवला, बोगनबिलिया, करोंधा इत्यादि के पौधे रोपे जाएँ। वन मण्डलाधिकारी श्री अभिनव पल्लव ने बैठक में कहा कि प्रवासी श्रमिकों को मनरेगा से अधिक से अधिक रोजगार मुहैया कराने के लिए गौशालाओं व जल संरचनाओं के समीप स्थित वन भूमि पर पौधरोपण इत्यादि कार्य कराए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज से ग्वालियर के दो दिवसीय प्रवास पर

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 22 अगस्त को ग्वालियर के दो दिवसीय प्रवास पर आयेंगे। श्री चौहान इस दिन प्रातः 11.30 बजे वायुमार्ग से राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल महाराजपुरा पहुँचेंगे। ग्वालियर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। श्री चौहान 23 अगस्त को रात्रि 9 बजे विमान द्वारा वापस भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगे।

सिंधिया के स्वागत के लिए बैनर पोस्टरों से पटा शहर

ग्वालियर। शहर में शनिवार के दिन भाजपा नेताओं का जमावड़ा होगा मुख्यमंत्री के अलावा राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के अलावा नेतागण ग्वालियर में डेरा डालेंगे! भाजपा में जाने के बाद और राज्यसभा सदस्य बनने के बाद संध्या पहली बार शहर में आ रहे! भाजपा के नेताओं ने एकजुटता दिखाते हुए सिंधिया समर्थकों के साथ पूरे शहर को बैनर पोस्टरों से पाट दिया है बैनर पोस्टरों पर सिंधिया के अलावा मुख्यमंत्री तथा नरेंद्र सिंह तोमर की फोटो विशेष रूप से चमक रही है! कोरोना महामारी के बीच शनिवार को शहर में अंचल के सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता आ रहे हैं जिससे एक बार फिर कोरोना कहर ढा सकता है! वैसे जिला प्रशासन ने नेताओं के दौरे के चलते पूरी तैयारी कर ली है लेकिन नेता 3 दिन तक शहर में रहकर अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल होंगे और इस बीच सैकड़ों लोग भाजपा की सदस्यता भी ले सकते हैं! वहीं सिंधिया के भाजपा में जाने के बाद जिन कांग्रेसियों ने उनके पुतला दहन कर नारेबाजी की थी वह अब उनके नगर आगमन पर विरोध करने का साहस भी नहीं जुटा पा रहे हैं क्योंकि पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है और अगर कांग्रेसियों ने ऐसा किया तो पुलिस के डंडे चल सकते हैं!

बीमा अस्पताल कर्मचारी सहित चार लोगों ने की आत्महत्या

ग्वालियर। शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में रहने वाली एक छात्रा सहित 3 लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली तो एक युवक ने जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है! जानकारी के अनुसार बृजलाल गुसाईं वालों 50 साल बीमा अस्पताल में कर्मचारी थे दो रोज पहले उनका अस्पताल के ही मनोज बाल्मीकि नामक युवक से विवाद हो गया था जिसमें मनोज ने उन्हें धमकी दी थी इसकी शिकायत बृजलाल ने पड़ाव थाने में भी की थी ! बृजलाल 2 दिन से जनक गंज थाना क्षेत्र में स्थित गोल पहाड़िया पर अपने भाई अमर सिंह के यहां रह रहे थे! आज सुबह उनके भाई ने कमरे में जाकर देखा तो बृजलाल का सब फांसी पर लटक रहा था घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और मृतक के शव को पीएम के लिए भेज मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है वहीं विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र मैं स्थित शीतलनाथ अपार्टमेंट में खुशबू 28 वर्ष निवासी सतना बीडीएस की पढ़ाई कर रही थी! बीती रात छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर आ गई और मृतका के शव को पीएम के लिए भी मामले की जांच शुरू कर दी है! एक अन्य जानकारी के अनुसार गिरवाई थाना क्षेत्र के बीरपुर पहाड़ियां पर रहने वाले अजय कुशवाह 19 साल ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है! उधर कंपू थाना क्षेत्र के ललितपुर कॉलोनी में रहने वाले बल्ले शाक्य ने जहरीला पदार्थ निगल लिया हालत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर गए जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई पुलिस ने मृतक का शव पीएम के लिए भेज मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है!

मुरैना के नये कलेक्टर अनुराग वर्मा होंगे

ग्वालियर। मुरैना के नवागत कलेक्टर अब 2012 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग वर्मा होंगे। मुरैना की अभी तक कलेक्टर रहीं प्रियंका दास को भोपाल में मप्र राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम का संचालक बनाया गया है। संजय गुप्ता को हरदा का नया कलेक्टर बनाया गया है। ज्ञातव्य है कि अनुराग वर्मा सीईओ जिला पंचायत के रूप में सफल कार्य कर चुके हैं। उनकी गिनती लोकप्रिय अधिकारियों में होती है।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
पुष्पांजली टुडे
क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक
डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु
नि :शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी
संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।
हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।
पुष्पांजली टुडे
E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207
नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478